राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 85 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, बुधवार 04 फरवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के दबाव में झुका ईरान, परमाणु मुद्दे पर अमेरिका से बातचीत को तैयार; राष्ट्रपति मसूद ने दिए आदेश

तेहरान । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त नीतियों और सैन्य दबाव ने ईरान को बैकफुट पर ला दिया है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच एक बड़ा कूटनीतिक बदलाव देखने को मिला है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने परमाणु मुद्दे पर अमेरिका के साथ बातचीत शुरू करने का औपचारिक आदेश दे दिया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'फार्स' ने एक उच्च पदस्थ सूत्र के हवाले से इसकी पुष्टि की है। इस कदम को ट्रंप प्रशासन की आक्रामक रणनीति का परिणाम माना जा रहा है।

तुर्की में हो सकती है मुलाकात, ईरान कर रहा समीक्षा

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को पुष्टि की कि ईरान अमेरिका के साथ बातचीत शुरू करने के संभावित विवरण और सामान्य रूपरेखा की समीक्षा कर रहा है। पश्चिमी मीडिया में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के बीच अगले कुछ दिनों में तुर्की में एक अहम बैठक हो सकती है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बघाई ने कहा कि ईरान अभी निर्णय लेने के चरण में है और इस मुद्दे के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान के लिए 'समय' बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले कुछ दौर की बातचीत में दूसरे पक्षों ने प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल किया है। क्षेत्रीय देश इस समय दोनों पक्षों के बीच संदेशवाहक की भूमिका निभा रहे हैं।

अविश्वास और प्रतिबंध हटाने की शर्त

बघाई ने अमेरिका के पुराने रिकॉर्ड पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में ईरान को अक्सर अमेरिका से धोखा मिला है और वादों को पूरा नहीं किया गया। उन्होंने पिछले साल जून में इजरायल और अमेरिका द्वारा किए गए हमले का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका के व्यवहार में साफ विरोधाभास है। इसके बावजूद, ईरान ने हमेशा कूटनीतिक रास्ता अपनाने की प्रतिबद्धता दिखाई है। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर दुनिया की चिंताएं दूर करने को तैयार है, लेकिन इसके बदले में प्राथमिकता के आधार पर प्रतिबंधों को हटाना होगा। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधों का हटना ईरान के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

जंगी जहाज तैनात, ट्रंप ने दी थी चेतावनी

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव इस वक्त चरम पर है। जनवरी के अंत में ट्रंप प्रशासन ने मध्य पूर्व में एक विमानवाहक पोत स्ट्राइक ग्रुप और कई युद्धपोत तैनात कर दिए थे, जिससे ईरान पर भारी दबाव बना है। राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार को कड़े लहजे में कहा था कि यदि ईरान परमाणु समझौता करने में विफल रहता है, तो 'हमें पता चल जाएगा' कि ईरानी सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की वह चेतावनी कितनी सही थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिकी हमला क्षेत्रीय युद्ध को भड़का सकता है। इस बीच, ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सीएनएन को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर वाशिंगटन अपनी दबाव वाली नीति छोड़ दे, तो कम समय में एक 'न्यायपूर्ण और निष्पक्ष' परमाणु समझौता हासिल किया जा सकता है।

भारत-यूसी के बीच ट्रेड डील पर बनी बात, अमेरिका ने टैरिफ 50प्रतिशत से घटाकर किया 18 प्रतिशत

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित ट्रेड डील का सोमवार को ऐलान हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि अमेरिका ने भारत पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। दरअसल, भारत पर कुल मिलाकर 50 प्रतिशत टैरिफ लागू था। इसमें रूस से तेल खरीदने के कारण अगस्त में लगाए गए 25 प्रतिशत पेनल्टी टैरिफ भी शामिल था। अमेरिका अब भारत पर केवल 18 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा और रूसी तेल खरीद के कारण लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ हटा लिया जाएगा। इस तरह भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत रह गया है।

ट्रम्प ने सोमवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके बाद रात करीब 10:30 बजे उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ट्रेड डील की घोषणा की। ट्रम्प ने दावा किया कि प्रधानमंत्री

यह मेरे अकेले की नहीं पूरे भारतवासियों की अंतरिक्ष यात्रा, हर बच्चे का अंतरिक्ष यात्रा का सपना होगा पूरा : ग्रुप कैप्टन शुभांशु

अंतरिक्ष केंद्र बनेगी युवा सपनों को पूरा करने की प्रयोगशाला : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने अंतरिक्ष संगवारी कार्यक्रम के तहत प्रदेश के पहले अंतरिक्ष केंद्र का किया शुभारंभ

रायपुर (समय दर्शन)। अंतरिक्ष केंद्र युवा सपनों को पूरा करने की प्रयोगशाला बनेगी। यह केंद्र प्रदेश के वैज्ञानिक भविष्य की मजबूत नींव है और पूरे प्रदेश में अंतरिक्ष केंद्रों का विस्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर के राखी में जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट अंतरिक्ष के तहत आयोजित अंतरिक्ष संगवारी कार्यक्रम में ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री श्री शुभांशु शुक्ला के साथ छत्तीसगढ़ के पहले अंतरिक्ष केंद्र का विधिवत शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश में अंतरिक्ष संगवारी पहल को विस्तार देते हुए सभी जिलों में अंतरिक्ष केंद्र खोले जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन एवं अंतरिक्ष यात्री डॉ. शुभांशु शुक्ला का छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि डॉ. शुभांशु शुक्ला जैसे व्यक्तित्व युवाओं के लिए प्रेरणा के प्रतीक हैं, जिनकी अंतरिक्ष यात्रा ने देश को गौरवान्वित किया है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि आज से उनके सपनों को पंख मिल रहे हैं और उनका आकाश और भी बड़ा हो गया है। यह अंतरिक्ष केंद्र केवल एक भवन नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों की प्रयोगशाला है, जहां वे विज्ञान को किताबों से बाहर निकालकर प्रयोग और अनुसंधान के माध्यम से समझ सकेंगे। उन्होंने जशपुर जिले के बच्चों द्वारा रॉकेट निर्माण की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उदाहरण बताता है कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उचित अवसर की होती है, जिसे यह केंद्र उपलब्ध कराएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल जिज्ञासा का विषय नहीं, बल्कि रोजगार और करियर का बड़ा क्षेत्र बन चुका है। इसरो की वैश्विक विश्वसनीयता के कारण भारत आज अंतरिक्ष की दुनिया में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आने वाले समय में यह केंद्र बच्चों को सैटेलाइट निर्माण, ट्रैकिंग, मौसम पूर्वानुमान, क्लाउड मैपिंग जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रत्यक्ष प्रशिक्षण देगा। उन्होंने कहा कि इस अंतरिक्ष केंद्र से किसानों को सटीक मौसम और फसल संबंधी जानकारी मिलेगी, जिससे कृषि को सीधा लाभ होगा। साथ ही, तकनीक आधारित रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं का महानगरों की ओर पलायन रुकेगा। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में सैटेलाइट तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और भविष्य में इस क्षेत्र में स्पेस साइंस का महत्व और बढ़ेगा। ग्रुप कैप्टन श्री शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब रॉकेट लॉन्च होता है, तो उसमें अत्यधिक ऊर्जा लगती है और कुछ ही समय में शून्य से लगभग 30 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंतरिक्ष तक पहुंचा जाता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ को ऊर्जावान प्रदेश बताते हुए कहा कि यहां के बच्चों में अपार क्षमता और जिज्ञासा है। उन्होंने मुख्यमंत्री का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रदेश में अंतरिक्ष केंद्र का शुभारंभ बच्चों को स्पेस साइंस से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा और दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि क्लीन स्टेशन के उद्घाटन के दौरान मैंने देखा कि मुख्यमंत्री स्टेशन में प्रवेश से पहले स्वयं विशेष ड्रेस व कैप को पहन रहे थे।

मुझे यह देखकर बड़ी खुशी हुई कि राज्य का मुखिया जब स्वयं

सुप्रीम कोर्ट ने वाटसऐप की डेटा शेयरिंग नीति पर जताई सख्त आपत्ति, कहा—निजता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को **WhatsApp** और **Meta** की डेटा-शेयरिंग प्रैक्टिस पर गंभीर चिंता जताई। यह सुनवाई कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया के उस आदेश से जुड़ी अपीलों के एक बैच पर हो रही थी, जिसमें **WhatsApp** की 2021 की या तो मानो या छोड़ दो प्राइवेसी पॉलिसी के लिए **Meta** पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने **WhatsApp** और **Meta** द्वारा दायर अपीलों के साथ-साथ **NCLAT** के एक फैसले को चुनौती देने वाली ष्टष्टढ्ढ की एक अलग अपील पर सुनवाई करते हुए कहा हम जानकारी का एक भी टुकड़ा शेयर करने की इजाज़त नहीं देंगे। आप इस देश में निजता के अधिकार के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते। इस प्रैक्टिस को संवैधानिक व्यवस्था का मज़ाक बताते हुए, कोर्ट ने सवाल किया कि जब यूज़र्स को प्रभावी रूप से या तो मानो या छोड़ दो के आधार पर पॉलिसी स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जाता है, तो सहमति को वैध कैसे माना जा सकता है। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि कंपनियों के खिलाफ यह बात कही गई थी कि ली गई सहमति बनाई हुई सहमति थी।

अनंत सिंह विधानसभा पहुंचकर विधायक पद की शपथ ली, नीतीश के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

पटना (एजेंसी)। मोकामा से निर्वाचित विधायक अनंत सिंह ने मंगलवार को बिहार विधानसभा में विधायक पद की शपथ ग्रहण कर ली। शपथ लेने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। बाहुबली विधायक के रूप में चर्चित अनंत सिंह को पटना सिविल कोर्ट ने विधानसभा में शपथ लेने की अनुमति दी थी। इसके बाद मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें विधानसभा लाया गया।

विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही शुरू होने के बाद उन्होंने विधायक पद की शपथ ली। विधानसभा परिसर और आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। दुलारचंद यादव हत्याकांड में उन्हें अब तक जमानत नहीं मिली है। कोर्ट ने शपथ समारोह के अलावा किसी भी अन्य गतिविधि में शामिल होने की अनुमति नहीं दी है। शपथ के बाद उन्हें वापस बेऊर जेल भेजा जाएगा। अनंत सिंह को जेल से विधानसभा तक लाने और वापस ले जाने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। एस्कॉर्ट वाहन और क्विक रिस्पॉन्स टीम को तैनात किया गया था। विधानसभा परिसर के अंदर और बाहर अतिरिक्त पुलिस बल मौजूद रहा। उनके समर्थकों के किसी भी तरह के जमावड़े पर पूरी तरह रोक लगाई गई थी।

पिछले साल हुए बिहार विधानसभा चुनाव में अनंत सिंह मोकामा विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। जीत के बाद अनंत सिंह शपथ न ले पाने के कारण सदन से बाहर थे। मंगलवार को शपथ लेने के साथ ही उनकी विधायकी औपचारिक रूप से शुरू हो गई।

मीडिया से बातचीत में अनंत सिंह ने कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं होने के कारण शपथ लेने में देरी हुई। उन्होंने बताया कि अदालत की अनुमति मिलने के बाद ही वे विधानसभा पहुंचे हैं। अनंत सिंह ने न्यायालय पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि जेल से बाहर आना उनके हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि जब जज साहब चाहेंगे, तभी वे जेल से बाहर आएंगे। फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में हैं।

राष्ट्रपति शासन 12 द्घद्गड्ढ्रह्वड्डह्म्4 को खत्म हो रहा

युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें सीएम होंगे:भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए

नई दिल्ली/इम्फाल (एजेंसी)। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री होंगे। मंगलवार को बीजेपी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। अब राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा।

भाजपा के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया है कि कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए 10 कुकी विधायकों में से एक को डिप्टी सीएम का पद दिया जा सकता है।

इस दौरान मणिपुर के विधायक दल का नेता चुनने के लिए नियुक्त सेंट्रल ऑब्जर्वर तरुण चुग, संबित पात्रा और मणिपुर के पूर्व सीएम बीरेन सिंह भी मौजूद रहे। मणिपुर से ह्वछ्व के करीब 20 विधायक रविवार रात को दिल्ली पहुंचे थे। वहीं अन्य विधायक सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर राजधानी पहुंचे।

मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई थी। इसमें अब तक करीब 260 लोगों की मौत हुई है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। राज्य में करीब दो साल तक हिंसा न रोक पाने के बाद

तत्कालीन मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली क्चछ्वक्क सरकार ने 9 फरवरी 2025 को इस्तीफा दे दिया था।

इसके बाद 60 सदस्यीय विधानसभा को निलंबित कर दिया गया। बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। 12 फरवरी 2026 राष्ट्रपति शासन खत्म होने की आखिरी तारीख है।

मणिपुर विधानसभा में बीजेपी के अभी 37 विधायक

मणिपुर में भाजपा सरकार का कार्यकाल 2027 तक है। इसलिए पार्टी की कोशिश है कि राष्ट्रपति शासन खत्म होने से पहले नई सरकार का गठन हो जाए। फिलहाल मणिपुर विधानसभा में बीजेपी के 37 विधायक हैं।

2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को 32 सीटें मिली थीं, जबकि जेडी के 5 विधायक बाद में बीजेपी में शामिल हो गए। अन्य दलों में एनपीएफ के 5, कांग्रेस के 5, केपीए के 2, जेडी का 1 विधायक और 3 निर्दलीय विधायक शामिल हैं। एक सीट मौजूदा विधायक के निधन के कारण खाली है।

एसटी (अनुसूचित जनजाति) दर्जे की मांग: 14 अप्रैल 2023 को मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को मैतेई समुदाय के लिए स्ञ्ज का दर्जा देने पर सिफारिश भेजने का निर्देश दिया था। इस आदेश के बाद कुकी समुदाय में आक्रोश फैला और हिंसा भड़की।

कुकी पहले से स्ञ्ज श्रेणी में है। उन्हें डर है कि अगर मैतेई को भी स्ञ्ज का दर्जा मिला, तो वे पहाड़ी इलाकों में जमीन खरीद सकेंगे और इससे उनका सांस्कृतिक, सामाजिक और भौगोलिक अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

मणिपुर के इंफाल घाटी में लगभग 10त्न भूमि क्षेत्र है, जहां मैतेई बहुसंख्यक रहते हैं। बाकी 90त्न पहाड़ी इलाका कुकी और नगा समुदायों का है। यह क्षेत्र आदिवासी जमीन (ञ्जह्म्द्बड्ढड्डद्य रुड्डठ्ठस्रह्य) के अंतर्गत आता है और मैतेई यहां जमीन नहीं खरीद सकते।

अलग कुकी प्रशासन की मांग: कुकी समुदाय 'कुकीलैंड' या 'जूमलैंड' नाम से अलग प्रशासनिक स्वायत्तता की मांग कर रहे हैं । मैतेई समुदाय और राज्य सरकार इस मांग को राज्य की अखंडता के लिए खतरा मानती है। कुकी पर ड्रग्स तस्करी का आरोप: कुकी समुदाय पर म्यांमार से ड्रग्स की तस्करी का आरोप लगता रहा है।

हमले से पहले बिश्नोई गैंग ने की थी रेकी, स्कूटर से की गई निगरानी

रोहित शेट्टी फायरिंग मामला

मुंबई (एजेंसी)। निर्देशक और प्रोड्यूसर रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना में मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस ने पाया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े आरोपियों ने हमले से पहले रोहित शेट्टी के घर और आसपास के इलाके की कई दिनों तक रेकी की थी। जांच में सामने आया कि रेकी उसी स्कूटर से की गई थी, जिसका इस्तेमाल फायरिंग के दौरान भागने के लिए किया गया। अज्ञात शूटर ने पांच राउंड फायरिंग की और उसी स्कूटर पर सवार होकर मौके से फरार हो गया। वह विले पार्ले रेलवे स्टेशन पहुंचा, जहां स्कूटर छोड़कर ट्रेन से मुंबई से बाहर निकल गया। पुलिस के अनुसार, अपराध में इस्तेमाल स्कूटर पुणे से 30 हजार रुपए में खरीदा गया था। स्कूटर मूल रूप से आनंद मारोटे के नाम पर रजिस्टर्ड था, जिसने इसे 6 अगस्त 2009 को खरीदा था। घटना से करीब 12 दिन पहले मारोटे ने स्कूटर गिरफ्तार आरोपी आदित्य गायकवाड़ को 30 हजार रुपए में बेच दिया। पैसे कथित मास्टरमाइंड शुभम लोनकर ने दिए थे।

क्राइम ब्रांच के मुताबिक, आरोपी समर्थ पोमाजी के निर्देश पर सिद्धार्थ येनपुरे और स्वप्नील सकट ने स्कूटर को सड़क मार्ग से पुणे से लोनावाला लाने की कोशिश की, ताकि इसे शूटर को सौंपा जा सके। हालांकि शूटर लोनावाला नहीं पहुंच सका, इसलिए आरोपियों ने घटना से लगभग 10 दिन पहले स्कूटर मुंबई पहुंचाकर अज्ञात शूटर को सौंप दिया। इसके लिए उन्हें अतिरिक्त पैसे दिए गए। पुलिस ने बताया कि मुंबई में स्कूटर पहुंचाने वाले आरोपियों को पता था कि यह आपराधिक साजिश का हिस्सा है, लेकिन उन्हें नहीं मालूम था कि टारगेट रोहित शेट्टी का घर है। जांच में यह भी सामने आया कि समर्थ पोमाजी ने मुख्य शूटर की सक्रिय मदद की। शुभम लोनकर के निर्देश पर समर्थ ने गायकवाड़ की मदद से स्कूटर का इंतजाम किया और अपराध में अहम भूमिका निभाई। समर्थ लगातार शुभम लोनकर के संपर्क में था और सिग्नल ऐप के जरिए उससे नियमित बात करता था।

अजीत जोगी युवा मोर्चा एवं छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच ने आबकारी विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। दुर्ग जिले में अजीत जोगी युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शमसुल आलम और संभाग अध्यक्ष अनुरुध वर्मा, साथ ही छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूरण लाल साहू के नेतृत्व में एक बार फिर आबकारी विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। इस दौरान उन्होंने आबकारी आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि आबकारी विभाग लापरवाह है और विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए गए। शमसुल आलम ने कहा कि हमने कई बार ज्ञापन दिया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। विभाग केवल खाना-पूर्ति में लगा हुआ है और भ्रष्टाचार के आरोप भी लग रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि विभाग की मिली-भगत से दुर्ग जिले के आहता सेंटरों में प्रतिबंधित पानी पाउच और डिस्पोजल बेचे जा रहे हैं, जो आबकारी विभाग के नियमों का उल्लंघन है। छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूरण लाल साहू ने कहा, पानी पाउच और डिस्पोजल बैन हैं, लेकिन आबकारी विभाग के अधिकारियों की मिली-भगत से इन सामानों का अवैध कारोबार धड़ल्ले से हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर 15 दिनों के भीतर इन नियमों का पालन नहीं किया गया तो वे आबकारी मंत्री के निवास का घेराव करेंगे। प्रदर्शन में अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता शमसुल आलम, अनुरुध वर्मा, मनोज कुर्रे, नमन पटेल, अंकु पांडे, मनोज पटेल, आरिफ खान, योगेश भंडारी, टिकेश जोशी, कुणाल चतुर्वेदी और छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच के अन्य पदाधिकारी धीरज टंडन, प्रकाश निर्मलकर, छोटे लाल चौधरी, दिलीप कश्यप, सोनुराम साहू, सुरेश ध्रुव समेत कई लोग उपस्थित थे। यह प्रदर्शन उन अधिकारियों के खिलाफ था, जो नियमों का उल्लंघन कर अवैध रूप से पानी पाउच और डिस्पोजल बेचने के कारोबार में शामिल हैं।

खबर-खास

इतिहास का सबसे निराशाजनक बजट -रवि चन्द्रवंशी

कवर्धा (समय दर्शन)। किसान कांग्रेस कवर्धा के जिलाध्यक्ष रवि चंद्रवंशी ने श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत नौवीं बजट को इतिहास का सबसे निराशाजनक बजट कहा है। उन्होने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान और गाँवो का देश है। परंतु इस बजट में गांव, ग़रीब, किसान, महिला, मज़दूरों का किसी भी तरह से कोई चर्चा न होना सभी वर्ग को निराशा के गर्त में ढकेल दिया है। महंगाई की मार से जहां किसानों की कमर टूट गई है। वहीं खाद, बीज और अन्य कृषि उपकरणों के लिए भटक रहे किसानों की पीड़ा को नजरअंदाज कर दिया गया है। किसानों ने अपनी परेशानी को बार बार कई बार शासन प्रशासन को अवगत कराने के बाद बजट से उम्मीद लगाई थी। लेकिन इस बजट ने केवल किसानों ही नहीं बल्कि किसानों के साथ ही गरीब, मजदूर, महिलाओं सभी वर्ग के उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। कुल मिलाकर यह बजट भारत देश के लिए सबसे बड़ा दुर्भाग्यजनक बजट है। बजट सिर्फ़ और सिर्फ़ कॉर्पोरेट जगत को खुश करने के लिए लाया गया दिखाई दे रहा है।

वार्ड क्रमांक 2 के निवासियों की समस्या पर त्वरित कार्रवाई

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा किरंदुल नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र के निवासियों ने सड़क-नाली की समस्या को लेकर पालिका पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। निवासियों ने पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह और मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशि भूषण महापात्र के समक्ष आवेदन किया।

निवासियों ने बताया कि वार्ड में उचित सड़क और नाली निर्माण न होने के कारण बारिश के दिनों मे आवागमन में कठिनाई होती है और लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में परेशानी का सामना करना पड़ता है। बता दे। आवेदन प्राप्त होते ही अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह ने तुरंत संज्ञान लिया और निवासियों को आश्वस्त किया कि सड़क एवं नाली निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मार्च तक वार्ड में सड़क और नाली का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे लोगों को स्थायी राहत मिल सकेगी।

इसके अलावा, वर्तमान परेशानियों को देखते हुए तत्काल जेसीबी मशीन से सफाई करवाकर मार्ग को चलने लायक बनाने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यवाही से संतुष्ट होकर वार्ड क्रमांक 2 की पार्षद सहित स्थानीय निवासियों ने पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह का धन्यवाद ज्ञापित किया और उनकी त्वरित एवं सकारात्मक प्रतिक्रिया की सराहना की।

संगीतमय हरिवंश महापुराण ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिवस भक्ति में सराबोर हुआ भटगांव

कथा व्यास पं. दीपक दुबे ने हरिवंश पर्व व प्रारंभिक घटनाओं का किया भावपूर्ण वर्णन

भटगांव (समय दर्शन)। सारंगढ बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत भटगांव में केशरवानी समाज द्वारा 02 फरवरी 2026 से 09 फरवरी 2026 तक केशरवानी भवन, भटगांव में आयोजित संगीतमय श्री हरिवंश महापुराण ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिवस मंगलवार, 03 फरवरी को संपूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत नजर आया। इस अवसर पर करनौद से पधारे कथा व्यास पं. दीपक दुबे ने अपने श्रीमुख से हरिवंश महापुराण के हरिवंश पर्व तथा उससे जुड़ी प्रारंभिक घटनाओं की सजीव, सरल एवं संगीतमय व्याख्या की इस पावन आयोजन के दूसरे दिवस पर कथा स्थल मानो श्रद्धा का महासागर बन गया, जहाँ हर मन कथा अमृत के रस में सराबोर दिखाई दिया। कथा व्यास ने अपने प्रवचन में भगवान श्रीकृष्ण के वंश की महिमा, धर्म की स्थापना, सत्य, मर्यादा एवं भक्ति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मधुर भजनों एवं संगीतमय कथा के माध्यम से उन्होंने श्रोताओं को भावलोक में पहुंचा दिया। कथा के दौरान पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे रहे और वातावरण 'राधे-राधे' के जयघोष से गुंजायमान होता रहा। केशरवानी समाज द्वारा आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में मुख्य यजमान के रूप में ज्योति विवेक केशरवानी की सहभागिता रही। विधिवत पूजन-अर्चन के साथ कथा श्रवण संपन्न हुआ। आयोजन में समाज के वरिष्ठजन, महिला मंडल, युवा वर्ग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

आयोजन की विशेष बात यह रही कि जो श्रद्धालु प्रत्यक्ष रूप से कथा स्थल पर उपस्थित नहीं हो सके, वे इस संगीतमय हरिवंश महापुराण कथा का श्रवण यूट्यूब के डीडी भक्ति लाइव चैनल के माध्यम से भी कर रहे हैं। ऑनलाइन माध्यम से कथा के लाइव प्रसारण ने दूर-दराज के श्रद्धालुओं को भी इस धार्मिक आयोजन से जोड़ने का कार्य किया है। आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं ने इसे सामाजिक एकता, सांस्कृतिक संरक्षण एवं आध्यात्मिक जागरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उल्लेखनीय है कि यह संगीतमय श्री हरिवंश महापुराण ज्ञान यज्ञ 09 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रसंगों का संगीतमय वाचन किया जाएगा।

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ई कोर्ट नं..................
ब/121/वर्ष 2025-26
ग्राम-कवर्धा,प.ह.न.-13

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम कवर्धा पाह.नं.-13, रा. नि.मं. कवर्धा तहसील कवर्धा को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेशचंद्र श्रीवास्तव आ. मनमोहन लाल श्रीवास्तव निवासी ग्राम कवर्धा तहसील कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) द्वारा ग्राम कवर्धा में अपने माता रेवती देवी श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक 08.08.1988 का जन्म - मृत्यु पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार / नगर पालिका परिषद कवर्धा, जिला कबीरधाम (छ.ग.) को जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ.ग. जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 19 (3) के तहत निर्देश देने हेतु शपथ पत्र एवं विलम्बित जन्म-मृत्यु का पंजीयन किए जाने प्रस्तुत शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र (जिला योजना एवं सांख्यिकी) आधार कार्ड की फोटोप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिनांक 06.02.2026 को नियत किया गया है।

अतः आवेदक अपने माता रेवती देवी श्रीवास्तव पति मनमोहन लाल श्रीवास्तव के मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा / आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / आपप्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 23.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया

जारी दिनांक 23.01.2026
पेशी दिनांक 06.02.2026

मुहर

तहसीलदार
कवर्धा, जिला कबीरधाम

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ई कोर्ट नं..................
ब/121/वर्ष 2025-26
ग्राम-कवर्धा,प.ह.न.-13

एतद द्वारा सर्व साधारण ग्राम कवर्धा प.ह.न.-13, रा.नि.मं. कवर्धा, तहसील कवर्धा को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेश चंद्र श्रीवास्तव आ. मनमोहन लाल श्रीवास्तव, निवासी ग्राम कवर्धा, तहसील कवर्धा जिला कबीरधाम (छत्तीसगढ़) द्वारा ग्राम कवर्धा में अपनी दादी सीता देवी श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक 26.06.1972 का जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण हेतु रजिस्ट्रार/नगर पालिका परिषद कवर्धा, जिला कबीरधाम (छत्तीसगढ़) को जन्म- मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छत्तीसगढ़ जन्म--मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत निर्देश देने हेतु शपथपत्र एवं विलम्बित जन्म- मृत्यु का पंजीकरण किए जाने प्रस्तुत शपथ पत्र एवं अनुपलब्धता प्रमाण पत्र (जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग) आधार कार्ड की फोटो प्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। जिसकी सुनवाई दिनांक 06.02.2026 को नियत किया गया है।

अतः आवेदक अपनी दादी सीता देवी श्रीवास्तव पति चंदुलाल श्रीवास्तव के मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किए जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपप्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 23.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 23.01.2026
पेशी दिनांक- 06.02.2026

मुहर

तहसीलदार
कवर्धा, जिला कबीरधाम

जाज्वल्यदेव महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला की तैयारियों की गई विस्तृत समीक्षा

कलेटर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर ने आगामी 11 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाले जाज्वल्यदेव महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं, विभागीय समन्वय एवं आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा की। कलेक्टर ने कहा कि जांजगीर-चांपा जिला किसानों से जुड़ा हुआ जिला है, इसलिए विभिन्न विभागों एवं निजी संस्थाओं द्वारा लगाए जाने वाले स्टॉल किसानों की आवश्यकता एवं हित को ध्यान में रखते हुए लगाए जाएं। उन्होंने कृषि आधारित योजनाओं, आधुनिक तकनीकों, बीज, उर्वरक, जैविक खेती, पशुपालन एवं उद्यानिकी से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने कहा। उन्होंने रोजगार मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्मारिका प्रकाशन एवं कृषक संगोष्ठी के आयोजन के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कृषक संगोष्ठी के माध्यम से किसानों को नवीन कृषि तकनीकों, शासकीय योजनाओं एवं नवाचारों की जानकारी दी जाए।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायत का समाधान होने के बाद हितग्राही को अनिवार्य रूप से अवगत कराना सुनिश्चित किया जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और लाभार्थियों का विश्वास मजबूत हो। इसके साथ ही मनरेगा के अंतर्गत क्यूआर कोड की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि मनरेगा क्यूआर कोड के माध्यम से उपलब्ध जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे ग्रामीणों को कार्यों की जानकारी, पारदर्शिता और निगरानी में सुविधा मिले।

कलेक्टर ने जल शक्ति अभियान के अंतर्गत संबंधित विभागों को जल संरक्षण एवं जल संवर्धन से जुड़े सभी कार्यों की नियमित रूप से पोर्टल में एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फील्ड में किए जा रहे कार्यों की प्रगति की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित सभी जल संरक्षण गतिविधियों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने कहा। कलेक्टर ने कहा कि सोखता गड्ढों का निर्माण तेज गति से किया जाए तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि भू-जल स्तर में सुधार और वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने खनिज विभाग की रॉयल्टी वसूली की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारी को आवश्यकतानुसार कार्यवाही के निर्देश दिए तथा खदानों की नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में कलेक्टर ने रबी फसल में धान के स्थान पर अन्य अधिक लाभदायक वैकल्पिक फसल लेने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दलहन, तिलहन एवं अन्य कम पानी वाली फसलों की ओर किसानों को प्रेरित किया जाए, जिससे जल संरक्षण के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि हो सके। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़ी शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर ने जिले में रक्तदान शिविर आयोजन करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार करने कहा है। उन्होंने रक्तदान शिविर आयोजन से पूर्व विधिवत अनुमति लेने के निर्देश दिए गए। उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत जनपद पंचायतवार शिविर लगाने तथा एक गांव को मॉडल सौर ऊर्जा गांव के रूप में विकसित कर शत-प्रतिशत घरों तक योजना का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

वार्ड क्रमांक 11 नाली निर्माण में अनियमितता का मामले में, मां भगवती कंस्ट्रक्शन को हुई नोटिस

बिलासपुर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम बिलासपुर जोन क्रमांक 02 के वार्ड क्रमांक 11 में कराए जा रहे आरसीसी नाली निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर ठेकेदार को कड़ी चेतावनी जारी की है.. यह नोटिस बनाकचौक से गोविंद नगर गेट तक चल रहे नाली निर्माण कार्य को लेकर जारी किया गया है। जोन कार्यालय द्वारा जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि, शासन द्वारा नगरोत्थान मद के अंतर्गत स्वीकृत उक्त नाली निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कार्य गुणवत्ता स्तर से नीचे है, जबकि उप अभियंता द्वारा कई बार मौखिक रूप से कार्य को मानक अनुसार करने के निर्देश दिए जा चुके थे, इसके बावजूद ठेकेदार द्वारा मानक अनुरूप निर्माण नहीं किया गया, जिसे गंभीर लापरवाही माना गया है.. नगर निगम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि संबंधित ठेकेदार तत्काल प्रभाव से कार्य बंद कर पुनः मानक अनुसार निर्माण कार्य शुरू करें, अन्यथा भुगतान की कार्यवाही नहीं की जाएगी। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो इसके लिए समस्त जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी.. यह नोटिस जोन कमिश्नर, जोन क्रमांक 02 नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा 29 जनवरी को जारी किया गया है.. इसकी प्रति आयुक्त नगर पालिक निगम बिलासपुर को भी अवगत कराने हेतु प्रेषित की गई है। दरअसल कुछ दिनों पहले मीडिया में नाली निर्माण में घोर अनियमितता को लेकर खबर प्रकाशित की गई थी, जिसके बाद जोन के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण भी किया था मौके पर कार्य कर रहे ठेकेदार को लगातार मौखिक रूप से उप अभियंता द्वारा गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने और डिजाइन के अनुरूप नाली निर्माण का निर्देश दिया था लेकिन ठेकेदार प्रशांत मिश्रा द्वारा नाली निर्माण पर घोर लापरवाही बरती जा रही थी, जिसके बाद जोन कमिश्नर भूपेंद्र उपाध्याय ने ठेकेदार को नोटिस जारी कर तत्काल काम बंद करने और पुनः मानक अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए है, अगर ठेकेदार द्वारा पुनः मानक अनुसार कार्य नहीं किया जाता है तो भुगतान की कार्यवाही नहीं की जाएगी।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं बेदराम साहू आ. शिवकुमार साहू (38 वर्ष) जाति तेली निवासी ग्राम महुदा पो. झीट तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूं। मेरे पुत्र का वास्तविक नाम वंश कुमार साहू (**VANSH KUMAR SAHU**) है, जो सही है। मेरे आधार कार्ड में मेरे पुत्र का वंश कुमार साहू (**VABSH KUMAR SAHU**) आ. बेदराम साहू है, जो गलत है तथा मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में वंश कुमार साहू (**VANSH KUMAR SAHU**) आ. बेदराम साहू जो सही है। मेरे पुत्र के आधार कार्ड में मेरे पुत्र का वंश कुमार साहू (**VABSH KUMAR SAHU**) आ. बेदराम साहू है जिसे सुधार कर वंश कुमार साहू (**VANSH KUMAR SAHU**) आ. बेदराम साहू किया जाए।

शपथकर्ता

राष्ट्रीय राजमार्ग 353 पर सड़क हादसा

महासमुन्द (समय दर्शन)। इस मामले में नायब तहसीलदार ने तत्काल 25 हजार की मदद मुहैया कराई, तब जाकर ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त किया।

महासमुंद जिले से होकर गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग 353 पर ओंकारबंद में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गयी है। गुस्साये ग्रामीणों ने हादसे के बाद शव को सड़क पर लेकर चक्काजाम कर दिया । चक्काजाम की सूचना पर मौके पर पुलिस वहां पहुंचकर लोगो को समझाने मे जुटी थी । दरअसल महासमुंद से पिकअप वाहन क्रमांक ष्ट्ठ 06 त्र्ञ 5630 एल पी जी सिलेंडर लेकर बागबाहरा जा रही थी। वाहन तेज होने के कारण सड़क क्रास कर रहे अशोक कुमार विश्वकर्मा उम्र 40 वर्ष निवासी ओंकारबंद को ठोकर मार दी। जिससे अशोक सिर के बल सड़क पर गिरा और सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गयी ।

मृतक गरीब परिवार से है। वाहन चालक दुर्घटना के बाद वाहन को खल्लारी थाना मे खड़ी कर दिया । उसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया । सूचना पर बागबाहरा नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचकर मृतक के परिजन को 25 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी, तब जाकर ग्रामीणों ने चक्काजाम जाम समाप्त किया । ओंकारबंद के सरपंच दुष्यंत चन्द्राकर ने बताया कि ये वाहन आये दिन तेज रफ्तार में यहां से लापरवाही पूर्वक चलाते हुए आवा जाही करती है। जिसपर कोई कार्यवाही नही होने से हादसा हुआ है।

नायब तहसीलदार ने तत्काल 25 हजार की मदद करने के पश्चात जांच कर कार्यवाही किये जाने की बात कही।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में निर्मला सीतारमण का बजट विकसित भारत को गति देगा- भावना बोहरा

प्रतुत बजट विश्वास, विकास और भविष्य की मजबूत नींव है

कवर्धा (समय दर्शन)। केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार संसद में प्रस्तुत बजट 2026-27 विकसित भारत 2047 के विज़न को साकार करने की दिशा में केंद्रित बजट है। बजट का मुख्य उद्देश्य अर्थव्यवस्था में स्थिरता, दीर्घकालिक विकास, रोज़गार सृजन और आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत करना है। इस वर्ष का यह बजट तीन प्रमुख आधार स्तंभों पर केन्द्रित रहा जिसमें अस्थिर वैश्विक परिदृश्य में सुदृढ़ता बनाए रखकर आर्थिक विकास में तेजी लाना और उसे बनाए रखना, हर वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनकी क्षमताओं का विकास तथा सार्थक भागीदारी के साथ प्रत्येक परिवार, समुदाय, धर्म और क्षेत्र की संसाधनों, सुविधाओं और अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करना है। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने इस बजट का स्वागत करते हुए इसे समावेशी विकास, आर्थिक मजबूती और सामाजिक संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया।

विधायक भावना ने कहा कि यह बजट किसान, गरीब, महिला, युवा, मध्यम वर्ग और उद्यमियों सहित समाज के प्रत्येक वर्ग की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ रहा है। यह बजट विकास को गति देने, आत्मनिर्भर भारत को सशक्त करने और नए अवसरों के सृजन के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों पर ले जाने वाला है।

विश्वास, विकास और भविष्य की मजबूत नींव रखने वाला यह बजट हर भारतीय के उज्ज्वल कल का आधार बनेगा। देश की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास से लेकर सैन्य, सुरक्षा, खेल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों को गति देने के लिए प्रस्तुत यह सर्वसमावेशी बजट देश के उद्योग, महिला, किसान, युवा हर वर्ग को सशक्त करेगा। देश के हर जिले में बालिका छात्रावास बनाने की घोषणा बेटियों को शिक्षा एवं सुरक्षा प्रदान करेगा। बजट में तेंदूपत्ता उद्योग से जुड़े लोगों के लिए टीसीएस की दर 5: घटाकर सिर्फ 2: कर दी है, जिससे हमारे प्रदेश के आदिवासी एवं वनांचल क्षेत्रों में तेंदुपत्ता संग्राहकों को सीधे लाभ मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह बजट भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को सशक्त करता है। भारतीय कृषि को विकसित बनाने और किसानों को आत्मनिर्भर करने की दिशा में बजट में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए ?1,62,671 करोड़ का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण भारत को देश की विकास यात्रा का इंजन बनाने के उद्देश्य से ग्रामीण विकास हेतु ?2,73,108 करोड़ का प्रावधान किया गया है। देश की आर्थिक गति को और तेज करने के लिए परिवहन क्षेत्र में ?5,98,520 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिससे सड़क, रेल और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास होगा। देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रक्षा क्षेत्र के लिए ?5,94,585 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है, जो सशक्त और सुरक्षित भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग की समीक्षा

कौशल उन्नयन से जोड़कर युवाओं को बनाएं आत्मनिर्भर : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अधिकारियो को निर्देश दिए हैं कि वे युवाओं को अधिक से अधिक कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं। श्री साय ने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में नए-नए उद्योग स्थापित होने वाले हैं, इन उद्योगों में युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने आज महानदी भवन मंत्रालय में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि समय-समय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में रोजगार मेले का आयोजन करें। बैठक में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, मुख्य सचिव श्री विकासशील सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने और तकनीकी संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए

विशेष रूप से जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीआई के आधुनिकीकरण से युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण मिलेगा और राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने सीएसएसडीए एवं राज्य परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसायटी के एकीकरण के प्रस्ताव पर सहमति दी और शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलों में सहायक निदेशक एवं सहायक परियोजना अधिकारियों की युक्तियुक्त पदस्थापना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्रों में आधार आधारित उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशिक्षित युवाओं से फीडबैक हेतु विकसित ज्तंपदमम थ्ममकइंबा मॉड्यूल को और सशक्त करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2013 से अब तक 4 लाख 90 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 2 लाख 71 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में राज्य में 356 प्रशिक्षण प्रदाता संस्थाएं (वीटीपी) एवं 207 पंजीकृत कोर्स संचालित हैं। केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सेतु योजना के अंतर्गत राज्य में हब-एंड-स्पोक मॉडल पर 6 क्लस्टर का चयन किया गया है, जिसके माध्यम से आईटीआई के उन्नयन एवं आधुनिकीकरण हेतु लगभग 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इसमें केंद्र सरकार की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत, राज्य सरकार की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत तथा उद्योगों की हिस्सेदारी न्यूनतम 17 प्रतिशत निर्धारित की गई है। अधिकारियों ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के लिए पीएम जनमन योजना अंतर्गत 9 जिलों में लगभग 1,700 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई। वहीं आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास हेतु बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बस्तर सहित जिलों में 600 से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा गया है। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 में गत वर्ष की तुलना में 31 प्रतिशत तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव, श्री सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, विभागीय सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, उद्योग सचिव रजत कुमार, श्रम सचिव हिमशिखर गुप्ता, संचालक तकनीकी शिक्षा रोजगार एवं प्रशिक्षण श्री विजय दयाराम के., स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अरूण अरोरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बीते दो वर्षों में 800 करोड़ से अधिक की राशि श्रमिकों के खाते में हुई जमा

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन के श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह ने बटन दबाकर डीबीटी के माध्यम से प्रदेश के 9328 निर्माण श्रमिकों के खाते में 18.23 करोड़ की राशि अंतरित कर विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया। आज मंगलवार को नवा रायपुर अटल नगर, स्थित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की बोर्ड की बैठक श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह की विशेष उपस्थिति में हुई। इस अवसर पर श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय दोनों के मंशा अनुरूप प्रदेश के श्रमिक भाई बहनों के साथ साथ उनके परिवार जनों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा उपकरण, खेल प्रोत्साहन, सशक्तिकरण, आवास, पेंशन समेत सभी योजनाओं का बेहतर तरीके से क्रियान्वन कर समय सीमा में योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। साय सरकार श्रमिक हितैषी सरकार है। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर विगत दो वर्षों में अब तक श्रम विभाग के अधीन सभी मंडलों से 800 करोड़ से अधिक की राशि श्रमिक भाई बहनों के खाते में अंतरित की जा चुकी है। सिर्फ छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल से ही अब तक 11 लाख से अधिक श्रमिकों को 500 करोड़ से अधिक की राशि से लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष श्री रामप्रताप सिंह ने इस अवसर पर कहा की छत्तीसगढ़ सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में श्रमिकों को योजनाओं का लाभ सरल और पारदर्शी तरीके से सीधे उनके हाथों तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

योजना वार लाभान्वित श्रमिकों एवं की गई डीबीटी की जानकारी - मिनीमाता महतारी जतन योजना श्रमिक 3555 राशि 71100000, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना श्रमिक 1098 राशि 4067595, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना श्रमिक 278 राशि 6248582, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना श्रमिक 6 राशि 120000, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना श्रमिक 747 राशि 1120500, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रात्साहन योजना श्रमिक 1 राशि 50000, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना श्रमिक 318 राशि 32200000, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना श्रमिक 2673 राशि 53460000, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना श्रमिक 537 राशि 10740000, मुख्यमंत्री आवास सहायता योजना श्रमिक 23 राशि 2300000, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना श्रमिक 84 राशि 126000।

राज्यपाल श्री रमेन डेका से राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त ढोकरा शिल्प कलाकारों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। सारंगढ़ जिले के जनजातीय बाहुल्य ग्राम बैगनडीह (सालर) के राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित जनजाति समुदाय के ढोकरा-बेलमेटल शिल्पकारों ने आज राज्यपाल श्री रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर कलाकारों ने पारंपरिक ढोकरा शिल्प कला से निर्मित बेल मेटल की आकर्षक मूर्ति राज्यपाल को भेंट की।

राज्यपाल ने शिल्पकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ढोकरा शिल्प जैसी पारंपरिक जनजातीय कलाएं भारत की सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कलाकारों की सृजनात्मक क्षमता और समर्पण की सराहना करते हुए आश्वस्त किया कि ऐसे प्रतिभावान शिल्पकारों को प्रोत्साहित करने और उनकी कला को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि ग्राम बैगनडीह (सालर) के ढोकरा शिल्पी मीन केतन बघेल को वर्ष 2018 में तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती हीराबाई बघेल को वर्ष 2023 में उनके उत्कृष्ट ढोकरा-बेलमेटल शिल्प कार्य के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दोनों कलाकारों ने ढोकरा (बेलमेटल) शिल्पकला की विशिष्ट पहचान स्थापित करने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। सौजन्य भेंट के दौरान पूर्व विधायक श्रीमती केराबाई मनहर सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने रेल परियोजनाओं की समीक्षा की

रायपुर। मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ में स्थित रेल परियोजनाओं संबंधी समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य की प्रमुख रेल परियोजनाओं के कार्यों की गति, नई रेल्वे लाईनों के कार्यों की स्थिति, सहित परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण और फारेस्ट क्लीयरेंस, सर्वे, मुआवजा अवार्ड, जमीन के बदले जमीन, नामांतरण जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से कहा कि जहां पर रेल परियोजनाएं हैं वहां अपने स्तर पर रेल्वे परियोजनाओं के लिए जरूरी कार्यवाही शीघ्रता से पूर्ण करें, जिससे रेल्वे अपनी के काम की शुरूआत कर सकें। इसी तरह से सीएसईबी द्वारा विद्युत उपयोगिताओं के स्थानांतरण हेतु संयुक्त सर्वे एवं स्टीमेट के कार्यों में तेजी लाने कहा गया है। बैठक में जिला मनेन्द्रगढ़ एवं सूरजपुर के अंतर्गत बोरीढांड रेल्वे लाईन

दोहरीकरण, बिलासपुर-दाधापारा-बिल्हा-दागोरी चौथी लाईन परियोजना, कोरबा-बलौदा-राजनांदगांव परियोजना, निपनिया-भाटापारा चौथी लाईन सहित रावघाट-जगदलपुर नई सिंगल लाईन सहित राज्य की अन्य रेल परियोजनाओं के कार्यों की विस्तार से चर्चा की गई। सामान्य प्रशासन विभाग एवं रेल परियोजनाओं के सचिव श्री रजत कुमार, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव सहित रेल्वे, वन विभाग, राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में रायपुर, रायगढ़, राजनांदगांव, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, कोण्डागांव, नारायणपुर, कांकेर जिले के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम शामिल हुए।

दवाइयों की समय पर आपूर्ति की जाए सुनिश्चित, लापरवाही पर होगी आवश्यक कार्रवाई

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सीजीएमएससी की समीक्षा बैठक में दिए महत्वपूर्ण निर्देश

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल आज छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉरपोरेशन (सीजीएमएससी) की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में शामिल हुए। बैठक में राज्य में दवाइयों, मेडिकल उपकरणों एवं स्वास्थ्य अधोसंरचना से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देशित किया कि राज्य में किसी भी स्थिति में अतिआवश्यक दवाइयों की कमी नहीं होनी चाहिए तथा दवाइयों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि लोक महत्व से जुड़े इस विषय में यह आवश्यक है कि आम नागरिकों को समय पर एवं गुणवत्तायुक्त दवाइयां उपलब्ध हों। स्वास्थ्य मंत्री ने दवा आपूर्ति प्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता, स्टॉक एवं एक्सपायरी की रीयल टाइम जानकारी प्राप्त करने हेतु एक लाइव ट्रैकिंग सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मांग एवं आपूर्ति के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया। बैठक में दवाइयों एवं मेडिकल उपकरणों के गुणवत्ता परीक्षण से संबंधित सभी मापदंडों का कठोरता से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही अस्पतालों के लिए आवश्यक कंज्युमेबल सामग्री की निरंतर उपलब्धता बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि जिन जिलों द्वारा दवाइयों की मांग भेजे जाने के बावजूद उनका उठाव नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने 31 मार्च 2026 तक सभी अत्यावश्यक मेडिकल उपकरणों की खरीदी पूर्ण करने तथा प्रयोगशालाओं के लिए रिएजेंट की उपलब्धता शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य अधोसंरचना के संबंध में मंत्री ने महासमुंद, कांकेर एवं कोरबा मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य में 12 नवीन नर्सिंग कॉलेज एवं 6 नवीन फिजियोथेरेपी कॉलेजों के निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक की समाप्ति पर सीजीएमएससी के अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के ने स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति में बैठक अत्यंत उपयोगी एवं सार्थक रही। उन्होंने बताया कि बैठक में दिए गए निर्देशों की शीघ्र समीक्षा कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

Škoda Kylaq ने एक वर्ष पूरा होने पर 50,000 बिक्री का आंकड़ा किया पार

Kylaq भारत में Škoda Auto की ग्रोथ स्टोरी का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरी है। लॉन्च के बाद से 50,000 से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ, Kylaq ने ब्रांड के भारत में 25वें वर्ष में Škoda Auto India के अब तक के सर्वश्रेष्ठ बिक्री प्रदर्शन में अहम योगदान दिया है। Kylaq में सुरक्षा, ड्राइविंग डायनेमिक्स, तकनीक और वैल्यू का मेल ग्राहकों को बेहद पसंद आया है, जिससे यह सब-4 मीटर SUV सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बन गई है। Kylaq की पहली वर्षगांठ पर प्रतिक्रिया देते हुए, Škoda Auto India के ब्रांड डायरेक्टर, आशीष गुप्ता ने कहा, Kylaq भारत के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है और इसने हमें बाजार के सबसे प्रतिस्पर्धी सेगमेंट में प्रवेश करने का अवसर दिया। 50,000 बिक्री का आंकड़ा पार करना वास्तव में खुशनुमा है और Škoda ब्रांड पर बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। स गति को बनाए रखने के लिए, हम ग्राहक-केंद्रित सुधारों के साथ Kylaq लाइन-अप का विस्तार कर रहे हैं, साथ ही इसे अपने सेगमेंट में वास्तविक ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ सबसे सुलभ वाहन बना रहे हैं। ये अपग्रेड्स उन फीचर्स को भी सभी वेरिएंट्स में सुलभ बनाते हैं जो आज के ग्राहकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। एक व्यापक और सुव्यवस्थित रेंज के साथ, और इस वर्ष के अंत में आने वाले और रोमांचक अपडेट्स के साथ, Kylaq भारतीय सड़कों के लिए यूरोपीय तकनीक, मजबूत वैल्यू और शानदार ड्राइविंग अनुभव देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सैमसंग ने भारत में 100 प्रतिशत बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर्स लाइनअप की घोषणा की, लॉन्च किये 23 मॉडल

गुरुग्राम: सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज 100 प्रतिशत बीस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर्स के अपने 2026 लाइनअप को लॉन्च किया। इस नई रेंज में अलग-अलग सेगमेंट में 23 मॉडल हैं, जिसमें 4 स्टार एयर कंडीशनर्स को भी शामिल किया गया है। यह नया लाइनअप भारतीय घरों और जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखकर विशेष रूप से तैयार कियागया है, जिसमें एडवांस्ड एआई टेक्नोलॉजी, प्रीमियम डिज़ाइन और स्मार्ट कनेक्टिविटी का संगम है। ये प्रोडक्ट शानदार आरामदायक कूलिंग देता है, जिसमें इंटेलिजेंट कूलिंग, एनर्जी एफिशिएंसी और ह्यूमिडिटी मैनेजमेंट केसाथ-साथ प्रिवेंटिव मेंटेनेंस भी शामिल है। बीस्पोक एआई विंडफ्री रेंज सैमसंग के उस फोकस को दर्शाती है जो इनोवेशन के माध्यम से रोज़मर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाता है - वह भी ज्यादा स्मार्ट, अधिक कुशल और सहज होम-कूलिंग अनुभव के साथ। घुफ्रान आलम, वाइस प्रेसिडेंट, डिजिटल एप्लायंसेज, सैमसंग इंडिया ने कहा, हमारे नए बीस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर लाइनअप के साथ, हमने होम कूलिंग को फिर से परिभाषित किया है, यह के साथ ही असली कम्फर्ट देता है। उपभोक्ता एआई एनर्जी मोड के माध्यम से बिजली की 30 प्रतिशत तक बचत कर सकते हैं,साथ ही उन्हें स्मार्टथिंग्स के जरिए स्मार्ट कनेक्टिविटी और स्मार्टथिंग्स होम केयर के साथ प्रिवेंटिव मेंटेनेंस भी मिलेगा। हमारी नई रेंज भारत की जलवायु चुनौतियों से निपटने वाले इनोवेशन के प्रति सैमसंग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सैमसंग ने पेश की बिल्कुल नई गैलेक्सी F70 सीरीज; खुद को अभिव्यक्त करने के लिए कैमरे को रखा सबसे आगे

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने बिल्कुल नई गैलेक्सी F70 सीरीज की घोषणा की है। इसे उन युवा उपभोक्ताओं के लिए बनाया गया है जो खुद को अभिव्यक्त करना चाहते हैं। आज के युवाओं के लिए स्मार्टफोन कैमरा संवाद करने, जुड़ने और अपनी डिजिटल मौजूदगी बनाने के लिए एक क्रिएटिव वॉइस (रचनात्मक आवाज) बन गया है। आज की पीढ़ी के लिए कंटेंट सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं है, बल्कि यह तय करता है कि लोग उन्हें कैसे याद रखेंगे। हर फोटो, स्टोरी और पोस्ट के पीछे एक खास उद्देश्य होता है—चाहे वह किसी मूड को बताना हो, किसी पल को कैद करना हो या अपनी बात मजबूती से रखनी हो। सैमसंग के तकनीकी नेतृत्व और अर्थपूर्ण नवाचारों पर आधारित गैलेक्सी F70 सीरीज कैमरे को स्मार्टफोन अनुभव के केंद्र में रखती है। गैलेक्सी F70 सीरीज दमदार हार्डवेयर और एआई आधारित फीचर्स के साथ आएगी। यह युवाओं की आगे बढ़ने की चाहत और रफ्तार को सशक्त बनाएगी ताकि वे अपनी अलग पहचान बना सकें। यह सीरीज मिड और किफायती सेगमेंट (30,000 रुपये से कम) की जरूरतों को पूरा करेगी। गैलेक्सी F70 सीरीज का पहला स्मार्टफोन फरवरी में 10,000 से 15,000 रुपये के सेगमेंट में लॉन्च किया जाएगा। इसके साथ ही सैमसंग की गैलेक्सी F सीरीज के पोर्टफोलियो में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी।

'डॉ. आरंभी': कलर्स पर शुरू हो रही है जीवन को फिर से बनाने और मकसद को फिर से खोजने की एक शक्तिशाली सेटबैक-टू-कमबैक यात्रा

कई महिलाओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि बलिदान हर समस्या का अंतिम समाधान है - वे अपना जीवन दूसरों का पोषण करने और दूसरों के घावों को भरने में बिताती हैं, जबकि चुपचाप अपनी पहचान को खत्म होने देती हैं। व्यक्तित्व को फिर से हासिल करने के लिए एक शक्तिशाली नईआवाज़ लाते हुए, कलर्स अपने नए शो, 'डॉ. आरंभी' के साथ साहस, दूसरे मौके और आत्म-सम्मान को बचाएरखने का जीवन रक्षक डोज पेश करता है। यह दिलचस्प सेटबैक-टू-कमबैक ड्रामा प्यार, शादी और महत्वाकांक्षाकी परतों को खोलकर दिखाता है कि किसी के जीवन को फिर से शुरू करने और अंदर से ठीक होने के लिए वास्तव में क्या चाहिए। कभी एक मशहूर गोल्ड मेडलिस्ट और एआईपीएमटी टॉपर, डॉ. आरंभी बलबीर चौधरी का भविष्य उम्मीदों से भरा था। 'आदर्श' बहू, माँ और ट्रॉफी पत्नी के रूप में ढाली गई, उसे यह विश्वास दिलाया जाता है कि एक महिला का सबसे बड़ा गुण दूसरों के लिए खुद को कर्तव्यनिष्ठा से मिटा देना है। उसका कॅरियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाता है, जबकि उसका पति, डॉ. विश्वास, परिवार के मशहूर मेडिकल साम्राज्य का चमकता चेहरा बन जाता है। जब जीवन एक बड़ा झटका देता है, तो आरंभी को दूसरों की सेवा में खुद की उपेक्षा पर बने जीवन की कीमत का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। लेकिन टूटने केबजाय, वह पलटवार करती है - अपनी कहानी की हीरो बनने का फैसला करती है। इसके बाद एक ऐसी महिला का अजेय उदय होता है जो दर्द को ताकत में बदल देती है। एक डॉक्टर के रूप में उसका पेशा उसका सहारा, उसका प्रतिरोध और उसकी ठीक होने की राह बन जाता है।

संपादकीय

केंद्र के अनुरोध

सुप्रीम कोर्ट के जज न्यायमूर्ति उज्जल भूइंया ने यह सटीक प्रश्न उठाया है कि किसी जज का एक से दूसरे हाई कोर्ट में सिर्फ इसलिए क्यों तबादला होना चाहिए कि उसने सरकार के लिए कोई 'असुविधाजनक निर्णय' दिया हो? जब संभल के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट विभांशु सुधीर का विवादित तबादला चर्चा में है, सुप्रीम कोर्ट ने जज उज्जल भूइंया ने उच्चतर न्यायपालिका के जजों के तबादले के पीछे की राजनीतिक कहानी पर से परदा हटा कर काफी कुछ उजाले में ला दिया है। न्यायमूर्ति भूइंया ने पूछा कि किसी जज का एक से दूसरे हाई कोर्ट में सिर्फ इसलिए क्यों तबादला होना चाहिए कि उसने सरकार के लिए कोई 'असुविधाजनक निर्णय' दिया हो? हालांकि न्यायमूर्ति ने कोई नाम नहीं लिया, लेकिन अनुमान लगाया गया है कि उनका इशारा बीते अक्टूबर में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जज अतुल श्रीधरन के तबादले की ओर था। जस्टिस श्रीधरन ने कर्नल सोफिया कुरैशी मामले में मध्य प्रदेश के एक मंत्री के बयान का संज्ञान लिया था। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने पहले उनका तबादला छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट किया, लेकिन तुरंत ये फैसला बदल कर उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया। अब साफ है कि ऐसा केंद्र के अनुरोध पर किया गया। आम चर्चा है कि इस रूप में सरकार कॉलेजियम के तबादला संबंधी कई फैसलों के प्रभावित कर चुकी है। और जब उच्चतर न्यायपालिका में ये हाल हो, तो निचली अदालतों के बारे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है। सीजेएम सुधीर ने संभल की हिंसा के मामले में पुलिस अधिकारी पर मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। उसके कुछ ही दिन बाद उनका तबादला हो गया। जस्टिस भूइयां ने उचित चेतावनी दी है कि ऐसी घटनाएं भारतीय न्यायपालिका की साख पर बट्टा लगा रही हैं। उन्होंने कहा– 'अगर हमने अपनी साख खो दी, तो न्यायपालिका में कुछ नहीं बचेगा। जज रहेंगे, अदालतें भी रहेंगी, मुकदमों पर फैसले भी होंगे, लेकिन दिल और आत्मा का लोप हो जाएगा।' तमाम जजों को न्यायमूर्ति भूइयां की इन बातों पर भी गौर करना चाहिए कि न्यायापालिका के पास ना तो धन होता है, ना तलवार। उसमें लोगों का भरोसा ही उसकी कुल जमा-पूंजी है। बड़े परिदृश्य में देखें, तो मुद्दा सिर्फ न्यायपालिका नहीं है। सबको इसका ख्याल रखना चाहिए कि इसकी साख चूकने का अर्थ पूरी शासन व्यवस्था के औचित्य को संदिग्ध कर देगा।

सिर्फ समझौता नहीं, हमारे भविष्य का रोडमैप है भारत-यूरोपीय संघ एफटीए

पीयूष गोयल

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक कूटनीति में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इससे लाखों रोजगार पैदा होंगे तथा भारतीय युवाओं और किसानों के लिए व्यापक अवसरों का सृजन होगा। इसके साथ ही लगभग 2 अरब की उस आबादी के लिए धन पैदा होगा जो मिल कर वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक-चौथाई भाग है। विश्व की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच यह एफटीए इतिहास के सबसे बड़े व्यापार समझौतों में से एक है। वास्तव में यह व्यापार समझौते से ज्यादा व्यापक है। यह कृत्रिम मेधा (एआई), रक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने वाली विस्तृत साझीदारी है। इस एफटीए से भारत के हर क्षेत्र और नागरिक तथा खास तौर से निर्धन तबकों को लाभ पहुंचेगा। यह एफटीए नियम आधारित व्यापार और आर्थिक नीतियों में स्थिरता सुनिश्चित करता है जिससे भारत स्वदेशी और विदेशी निवेश के लिए और ज्यादा आकर्षक बनेगा। यह छोटे व्यवसायियों, स्टार्टअप संस्थाओं और कामगारों के लिए अनेक अवसर पैदा करेगा। विश्व ने प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा की सराहना करते हुए इस एफटीए को सभी समझौतों से बड़ा बताया है। यह वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में स्थिरता को मजबूत करता है। यह भारत और यूरोपीय संघ को मुक्त बाजार, पूर्वानुमान क्षमता और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध भरोसेमंद साझीदारों के रूप में स्थापित करता है। भारत ने व्यापार मूल्य के हिसाब से यूरोपीय संघ में अपने 99 प्रतिशत से ज्यादा निर्यात के लिए अभूतपूर्व बाजार पहुंच प्राप्त की है जिससे 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को बल मिलेगा। इस एफटीए से कपड़ा, रेडीमेड वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरी सामान और ऑटोमोबाइल जैसे श्रमसाध्य क्षेत्रों को निर्णायक मजबूती मिलेगी।

इस समझौते से लगभग 33 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर 10 प्रतिशत तक टैरिफ खत्म होगा। इससे कामगारों, हस्तशिल्पियों, महिलाओं, युवाओं तथा सूक्ष्म, छोटे और मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) का सशक्तीकरण होगा। वैश्विक मूल्य श्रृंखला से भारतीय व्यवसाय ज्यादा गहराई से जुड़ेंगे और वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका मजबूत होगी। यह समझौता व्यवसायियों और पेशेवर तबके के लिए दूसरे देशों में जाने को आसान बनाते हुए शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं और कंप्यूटर जैसे सेवा क्षेत्रों में अवसरों के नए द्वार खोलता है। इन प्रतिबद्धताओं से उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसरों के खुलने के साथ ही प्रतिभा, नवोन्मेष और संवहनीय आर्थिक विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होती है। व्यापार समझौते गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने की मोदी सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। इस रणनीति में क्रांतिकारी सुधारों और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन के जरिए अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा सभी पक्षों के लिए लाभकारी समझौते के उद्देश्य से विकसित और पूरक अर्थव्यवस्थाओं के साथ बातचीत शामिल है। यह रणनीति भारत को अपनी ताकत का सही इस्तेमाल करने और उन लाभकारी बाजारों तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाती है जो कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की रक्षा करते हुए श्रमसाध्य क्षेत्रों में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते भारतीय उद्योगों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के अवसर प्रदान करते हैं और उपभोक्ताओं को विश्व स्तरीय उत्पाद उपलब्ध कराते हैं। यूपीए सरकार ने बिना सोचे-समझे भारत के बाज़ार खोल दिए थे, इसके उलट मोदी सरकार ने ऐसे समझौते किए हैं जिनमें टैरिफ में कमी धीरे-धीरे की जाती है। जिससे उद्योगों को उचित नीतिगत समर्थन के साथ अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता में सुधार करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है।

नारी देह, नारी अधिकार: माहवारी पर सुप्रीम कोर्ट की दृष्टि

ललित गर्ग

भारत के सामाजिक विकास की यात्रा में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक निर्णायक कसौटी रही है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने समाज के आधे हिस्से-महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ़-सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय का उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचाना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूली लड़कियों की माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए 12 दिन का सवेतन पीरियड लीव नीति को भी मंजूरी दी है। यह फैसला स्कूलों में मासिक धर्म प्रबंधन की कमी को दूर करने और छात्राओं के सम्मानजनक शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। स्कूलों में अनिवार्य रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अंधेरे में नहीं छोड़ा जा सकता।

विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन-चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ और किशोरियाँ न केवल शारीरिक कष्ट झेलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि माहवारी स्वच्छता की कमी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती है इस पूरे विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गरिमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में लड़कियाँ किशोरावस्था में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूंजी की क्षति है।

न्यायालय ने शिक्षा को एक 'मल्टीप्लायर राइट' बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स की सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वेंडिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की झिझक और असहजता पूरी तरह दूर की जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नर स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त यूनिफॉर्म, स्पेयर इनरवियर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। दिव्यांग छात्राओं के लिए व्हीलचेयर-अनुकूल शौचालय और सहायक उपकरण जैसी विशेष सुविधाएँ अनिवार्य की गईं। निजी स्कूलों द्वारा निर्देशों की अवहेलना पर मान्यता रद्द करने का प्रावधान रखकर जवाबदेही को मजबूत किया गया, ताकि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सके। माहवारी स्वच्छता केवल पैड उपलब्ध कराने तक सीमित विषय नहीं है। इसके साथ जुड़ा है स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, कचरा निस्तारण की व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्णकृसही जानकारी। आज भी अनेक लड़कियाँ पहली माहवारी के समय भय, भ्रम और अपराधबोध से घिर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोई वैज्ञानिक और संवेदनशील जानकारी नहीं दी जाती। स्कूलों में यदि स्वास्थ्य शिक्षा को गंभीरता से लागू किया जाए और माहवारी को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया जाए, तो यह डर और संकोच स्वतः समाप्त हो सकता है। यह भी सच है कि माहवारी को लेकर समाज में फैली चुप्पी पुरुषों की भूमिका को भी प्रश्नों के घेरे में लाती है। जब तक पुरुष-चाहे वे पिता हों, शिक्षक हों, प्रशासक हों या नीति-निर्माता, इस विषय को केवल महिलाओं का मामला मानकर किनारे करते रहेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं कि उन्होंने समाज और खासकर पुरुषों को संवेदनशील बनने का अवसर दिया है। जागरूकता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों को सहृदय और जिम्मेदार बनाना भी है।

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में माहवारी से जुड़ी चुनौतियाँ और भी गंभीर हैं। वहाँ आज भी कपड़े, राख या अस्वच्छ साधनों का उपयोग आम है, जिससे संक्रमण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाएँ और गैर-सरकारी प्रयास मौजूद हैं, परंतु उनकी पहुँच और प्रभावशीलता अभी भी सीमित है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय यदि ईमानदारी से लागू होता है, तो यह नीति और जमीन के बीच की खाई को पाटने में सहायक हो सकता है। यह भी विचारणीय है कि माहवारी स्वच्छता को केवल कल्याणकारी योजना न मानकर महिला अधिकारों के व्यापक ढाँचे में देखा जाए। स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और समानता का अधिकार-तीनों इस विषय से सीधे जुड़े हैं। एक ऐसी व्यवस्था जहाँ लड़की केवल इसलिए स्कूल न जा सके क्योंकि उसके पास सेनेटरी पैड नहीं हैं, वह व्यवस्था संविधान की आत्मा के विपरीत है। इसलिए यह फैसला सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूती देता है। आज भारत नए प्रवेश के साथ आगे बढ़ने की बात करता है-डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखता है। किंतु यदि इस विकास की गाथा में महिलाओं की बुनियादी आवश्यकताएँ और सम्मान शामिल नहीं हैं, तो यह प्रगति खोखली सिद्ध होगी। वास्तविक विकास वही है जो सबसे कमजोर वर्ग की पीड़ा को समझे और उसे दूर करने का साहस रखे। माहवारी जैसे विषय पर खुली चर्चा उसी साहस का प्रतीक है। समाज में जन-जागृति लाना इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। कानून और आदेश दिशा दिखा सकते हैं, परंतु मानसिकता बदलना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मीडिया, शिक्षा संस्थान, धार्मिक और सामाजिक संगठन सभी को मिलकर माहवारी को लेकर फैली भ्रांतियों को तोड़ना होगा। इसे शर्म का नहीं, स्वास्थ्य और स्वाभिमान का विषय बनाना होगा। अंततः, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक शुरुआत है, मंज़िल नहीं। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम इसे कितनी ईमानदारी से लागू करते हैं और कितनी संवेदनशीलता से अपनाते हैं। यदि हम सचमुच एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानवीय भारत का निर्माण चाहते हैं, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के साथ नया भारत बनाना चाहते हैं तो महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों को विकास के केंद्र में रखना ही होगा। माहवारी से मुक्ति का अर्थ केवल शारीरिक सुविधा नहीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और संवैधानिक स्वतंत्रता है। यही स्वतंत्रता किसी भी सभ्य और प्रगतिशील समाज की पहचान होती है।

महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में कुछ भी नया नहीं

अजीत द्विवेदी

यह सवाल हो सकता है कि महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में ऐसा क्या है, जिसका राष्ट्रीय राजनीति के नजरिए से विश्लेषण होना चाहिए? आखिर पिछले दिनों पंजाब में स्थानीय निकाय चुनाव हुए तो सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने क्लीन स्वीप किया तो तेलंगाना में भी स्थानीय निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने सफलता का परचम लहराया है। हाल के दिनों में केरल एकमात्र अपवाद है, जहां स्थानीय निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट बुरी तरह से हारा और कांग्रेस ने बड़ी जीत दर्ज की।

हालांकि उसके भी कारण स्पष्ट हैं। एलडीएफ की 10 साल की सत्ता के खिलाफ नाराजगी लोकसभा चुनाव में भी प्रकट हुई और स्थानीय निकाय चुनाव में भी प्रकट हुई। इस अपवाद के बावजूद यह एक सामान्य निष्कर्ष है कि स्थानीय निकाय चुनावों में वही जीतता है, जिसकी राज्य में सरकार होती है। शायद ही कभी इसका अपवाद होता है।

इस निष्कर्ष या स्थापित राजनीतिक सिद्धांत के आधार पर देखें तो महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में कुछ भी नया नहीं है। ध्यान रहे इससे पहले आखिरी बार 2017 में महाराष्ट्र में नगर निकायों के चुनाव हुए थे और तब भी मोटे तौर पर नतीजे ऐसे ही आए थे। इसके बावजूद इस बार के चुनावों का कुछ खास संदेश है और उनका विश्लेषण होना चाहिए। इससे पहले मुंबई नगरपालिका यानी बीएमसी और अन्य शहरी निकायों के चुनाव जैसी सामान्य परिस्थितियों में होते थे इस बार वैसा नहीं था। पिछले चुनाव के बाद करीब नौ साल में महाराष्ट्र की राजनीति बहुत बदल गई है।

बीएमसी पर करीब पांच दशक तक कंट्रोल रखने वाला ठाकरे परिवार कमजोर हुआ है। शिव सेना का दो हिस्सों में विभाजन हो गया है। महाराष्ट्र की समकालीन राजनीति के सबसे बड़े नेता शरद पवार की बनाई पार्टी एनसीपी दो हिस्सों में बंट गई है। उनके भतीजे अजित पवार असली एनसीपी के मालिक हैं। इस बार का चुनाव दोनों बड़ी प्रादेशिक पार्टियों के विभाजन के बाद का पहला चुनाव था और भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र की राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने के बाद का भी पहला चुनाव था।

इस चुनाव की एक खास बात यह भी थी कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व यानी नरेंद्र मोदी और अमित शाह की छाया से

मुक्त होकर पहली बार स्वतंत्र रूप से अपने नेतृत्व के दम पर चुनाव लड़े। याद करें कैसे हैदराबाद नगर निगम के चुनाव में प्रचार करने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गए थे। इस बार मोदी, शाह और योगी या भाजपा का राष्ट्रीय स्तर का कोई भी नेता प्रचार के लिए नहीं गया। अकेले देवेंद्र फड़नवीस ने पूरे राज्य में प्रचार किया। वे मुंबई, ठाणे, पुणे की गलियों में घूमे। जहां गाड़ी पहुंचने का साधन नहीं था वहां वे मोटरसाइकिल से गए। सो, इस बार के चुनाव की कामयाबी 'देवा भाऊ' के रूप में देवेंद्र फड़नवीस की जगह को और मजबूत करने वाला था। विधानसभा चुनाव की जीत के बाद उनको साबित करना था कि वे महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य और चंद्रगुप्त दोनों हैं। उन्होंने यह साबित किया और निश्चित रूप से इसका असर आने वाले समय में भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ेगा।पिछले दो साल में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के लिए चुनावी मुकाबला एक-एक की बराबरी पर छूटा था। 2024 के मई में लोकसभा चुनाव में भाजपा विरोधी महाविकास अघाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया था। राज्य की 48 में से 31 सीटों पर अघाड़ी की जीत हुई थी। कांग्रेस ने 13 सीटें जीतीं तो उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने नौ और शरद पवार की एनसीपी ने आठ सीटें जीतीं। भाजपा और उसकी दोनों सहयोगी पार्टियां 17 सीटों पर सिमट गईं, जबकि चुनाव से पहले उनके पास 44 सीटें थीं। उन्होंने 27 सीट गंवाई। लेकिन उसी साल हुए विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी साफ हो गया और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने 288 में से 230 सीटें जीत लीं। अकेले भाजपा को 132 सीटें मिलीं।

एकनाथ शिंदे की पार्टी ने 51 और अजित पवार की पार्टी ने 47 सीटें जीतीं। पूरा महाविकास अघाड़ी 46 सीटों पर सिमट गया। सो, एक-एक की बराबरी के बाद नगरपालिका का चुनाव निर्णायक था। इसमें महायुति ने विधानसभा चुनाव से बेहतर प्रदर्शन किया। 29 में से 25 महानगरपालिकाओं में महायुति के मेयर बनेंगे। इससे पहले ग्रामीण निकायों के चुनाव में भी महायुति ने बहुत बड़ी जीत हासिल की थी।सो, अब महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी यानी भाजपा विरोधी पार्टियों के गठबंधन को अपने भविष्य को लेकर नए सिरे से विचार करने की जरुरत है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि एक एक करके ऐसे राज्यों में भाजपा अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है, जो पारंपरिक रूप से उसके मजबूत आधार वाले राज्य नहीं रहे हैं। महाराष्ट्र ऐसे ही राज्यों में से है। वहां 2014 तक लगातार 15 साल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार थी और हारने के बाद भी कांग्रेस 30 फीसदी वोट कमांड करती थी। बहुत समय नहीं बीता, जब भाजपा वहां शिव सेना के सहारे राजनीति करती थी।

शिव सेना बड़े भाई की भूमिका में होती थी। लेकिन वहां भाजपा ने शिव सेना को तोड़ा और फिर शरद पवार की एनसीपी को तोड़ा और अब अकेले दम पर बाकी सभी पार्टियों की कुल जमा हैसियत के बराबर पहुंच गई है। महाराष्ट्र उसके लिए गुजरात, मध्य प्रदेश जैसा राज्य बन रहा है। बिहार भी ऐसा ही राज्य है और ओडिशा भी। भाजपा पांचवें और छठे दशक वाली कांग्रेस की तरह पूरे देश की सबसे बड़ी पार्टी बनती जा रही है और उसे रोकना कांग्रेस या प्रादेशिक क्षत्रपों के वश की बात नहीं रह गई दिखती है।जैसे जैसे यह धारणा बन रही है कि कांग्रेस या दूसरी प्रादेशिक पार्टियां भाजपा को नहीं रोक पा रही हैं और इस असफलता से घबरा से कांग्रेस के नेता भाजपा में जा रहे हैं या प्रादेशिक पार्टियां सीधे भाजपा से हाथ मिला ले रही हैं वैसे वैसे देश के मुस्लिम मतदाता नए विकल्प की तलाश तेज करते जा रहे हैं। महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया एमआईएम को मिली कामयाबी इसका संकेत है। छत्रपति संभाजीनगर में वह दूसरे नंबर की पार्टी बनी है तो मालेगांव में पहले नंबर की पार्टी बनी है। नांदेड़ और मुंबई में भी उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

मुस्लिम बहुल इलाकों में बिना किसी हिचक के मुस्लिम मतदाताओं ने ओवैसी की पार्टी का समर्थन किया। यह परिघटना बिहार विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिली थी। यह वैचारिक स्तर पर भी कांग्रेस और दूसरी भाजपा विरोधी पार्टियों की विफलता को रेखांकित करता है। इसका बहुत बड़ा असर आने वाले दिनों में देश की राजनीति पर पड़ेगा।

महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव नतीजों का बहुत साफ संदेश ठाकरे परिवार के लिए है तो पवार परिवार के लिए भी है। दोनों तेजी से अपनी प्रासंगिकता गंवा रहे हैं। मुंबई छोड़ कर बाकी उन सभी हिस्सों से उद्धव ठाकरे की पार्टी साफ हो गई, जहां पारंपरिक रूप से शिव सेना का असर था। ठाणे और कल्याण डोंबिवली का इलाका एकनाथ शिंदे ले गए तो कोंकण का इलाका नारायण राणे के साथ चला गया। पवार परिवार ने तो पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा दोनों इलाकों में अपना आधार गंवा दिया। पुणे, पिंपरी चिंचवाड़ और परभणी में शरद और अजित पवार की पार्टी मिल कर लड़े थे फिर भी कोई असर नहीं हुआ। उनकी पार्टी बुरी तरह से हारी। उद्धव ठाकरे के लिए संतोष की बात है कि मुंबई में मेयर पद भले नहीं मिला लेकिन आगे की राजनीति करने के लिए मराठा वोटों का आधार बच गया। लेकिन इससे उप राष्ट्रीयता की राजनीति की सीमाएं भी जाहिर हुई हैं। उनको भी अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा। उनके दादा प्रबोधंकर ठाकरे ने बहुजन आधारित मराठी अस्मिता का वैचारिक आधार बनाया था, जिसे बाल ठाकरे ने लोकप्रिय नारों से आगे बढ़ाया। शिव सेना को भाजपा ब्रांड हिंदुत्व के समानांतर अपने हिंदुत्व की राजनीति बचानी है तो मराठी अस्मिता के साथ जातीय व सामाजिक समीकरण पर भी ध्यान देना होगा।

पवार परिवार एकजुट होने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। ऐसा करके वे मराठा राजनीति में अपनी प्रासंगिकता कितनी बनाए रख पाते हैं यह देखने वाली बात होगी।

महाराष्ट्र चुनाव का एक संदेश भाजपा की अपनी सहयोगी पार्टियों के लिए भी है। भाजपा ने दिखा दिया है कि महाराष्ट्र में कामयाबी उसके साथ रह कर ही मिलेगी। जहां भी भाजपा के सहयोगी शिव सेना और एनसीपी उससे अलग लड़े वहां या तो भाजपा ने उनको हराया या कड़ी टक्कर दी। उद्धव ठाकरे की पार्टी की विफलता भी भाजपा की सहयोगी पार्टियों के लिए एक संदेश है।

थायराइड और वजन घटाने में रामबाण है धनिए का पानी

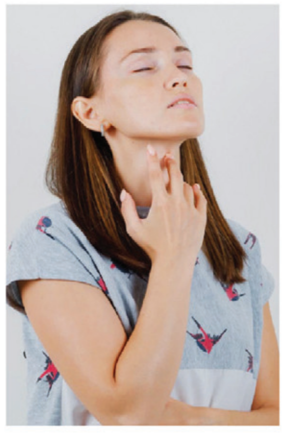

इम्यूनिटी होगी बूस्ट
धनिया आपके इम्यूनिटी लेवल को बढ़ाने के लिए जाना जाता है, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करता हैं।

बालों के लिए बेहतरीन-
विटामिन के, सी और ए जैसे विटामिनों से भरपूर होने की वजह से ये बालों को मजबूत बनाने और ग्रोथ के लिए बहुत जरूरी हैं। सुबह धनिए का पानी पीने से आपके बालों का झड़ना और टूटना कम होता है।

थायराइड में फायदेमंद-
रिपोर्टस कि मानें तो थायराइड के पेशेंट के लिए धनिया का पानी अमृत है। धनिया के पानी से दोनों तरह के थायरॉइड असंतुलन का इलाज किया जा सकता है।

डीटॉक्स होती है बॉडी-
धनिया एक मूत्रवर्धक है, और इसलिए आपके शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में आपको मदद मिलती है। सुबह धनिए का पानी पीने से आप अपने सिस्टम को डिटॉक्स कर सकते हैं।

वेट लॉस में मिलती है मदद-
धनिया में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करते हैं और आपके वजन को कम करने में भी मदद करता है।

कैसे बनाएं धनिया का पानी?
इसे बनाने के लिए एक चम्मच धनिया के बीज को 5 मिनट के लिए पानी में उबाल लें। इसे तब तक उबालें जब तक पानी आधा न हो जाए। फिर इसे छानें और पीएं।

धनिए के बीज के पानी से किसे बचना चाहिए?
धनिया के बीज का आमतौर पर कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है, लेकिन इसके बीज से एलर्जी पैदा हो सकती है। इससे रेडनेस और खुजली हो सकती है। हालांकि, गर्भवती महिलाओं को धनिए के बीज का ज्यादा मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए।

वेट लॉस के लिए कैसे बनाएं धनिया का पानी
धनिए का पानी बनाना बहुत ही आसान है। आपको बस एक चम्मच धनिया का बीज लेना है और उन्हें एक गिलास पानी में रात भर भिगोना है। सुबह पानी को छानकर पी लें। भीगे हुए बीजों को फेंके नहीं क्योंकि आप उन्हें खाना पकाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

लंबे समय तक बना रहेगा मेकअप

त्योहारों पर हर कोई खास दिखना चाहता है। ऐसे में आउटफिट्स से लेकर जूलरी तक तो सभी ध्यान दे लेते हैं, लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि छोटी-छोटी चीजें इग्नोर करने से आपका पूरा ही लुक बिगड़ जाता है। मेकअप के साथ भी कुछ ऐसा ही है। आप अगर छोटे-छोटे टिप्स का ख्याल नहीं रखते, तो इससे आपका मेकअप खराब हो सकता है। वहीं, जाहिर-सी बात है कि पूजा-पाठ के दौरान बार-बार मेकअप को सेट करने का आपके पास टाइम भी नहीं होता है, इसलिए आपको ये हैक्स जरूर फॉलो करने चाहिए, जिससे कि आपका मेकअप लॉन्ग लास्टिंग रह सके।

क्लींजिंग करें

सबसे पहले अपने चेहरे पर माइल्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें। माइल्ड क्लींजर का मतलब सिर्फ फेस वॉश का इस्तेमाल नहीं है बल्कि आपको इससे अपने चेहरे से डेड स्किन भी रिमूव करनी चाहिए। इसके लिए तीन चम्मच कच्चा दूध ले लें और अब इसमें एक चम्मच एलोवेरा जेल डालें। इसे मिलाकर चेहरे पर मसाज करें और चेहरा साफ कर लें।

मॉइश्चराइजर क्रीम लगाएं

चेहरे पर कभी भी डायरेक्ट मेकअप न करें। अपने चेहरे को हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। चेहरे पर मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। इससे आपका मेकअप खराब नहीं होगा। आपकी स्किन अगर ऑयली है, तो जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं।

बनाना पाउडर

बनाना पाउडर का टेक्सचर थोड़ा येलो होता है इसलिए यह इंडियन स्किन टाइप के हिसाब से अच्छा ऑप्शन है। आप बनाना पाउडर को लास्ट में लगाएं। इससे आपका मेकअप ज्यादा ऑयली नहीं लगेगा और आपको पसीने भी कम आएंगे।

एलोवेरा जेल

आपकी स्किन अगर सुपर ड्राय है, तो आप प्राइमर की जगह एलोवेरा जेल भी लगा सकते हैं। यह भी प्राइमर की तरह ही काम करता है। फिर इसके ऊपर फाउंडेशन लगाएं।

पेट लटकने पर महिलाओं को पहनना चाहिए ऐसी जींस

फैशन इंडस्ट्री में कई तरह के बदलाव होते रहते हैं, कुछ चीजें ट्रेंड में नई आती हैं, तो कुछ ट्रेंड से हमेशा के लिए खत्म हो जाती हैं। लेकिन जींस का फैशन जगत से गायब होना मुश्किल है। हां, ट्रेंड के मुताबिक इसके स्टाइल में बदलव जरूर होता है। जैसे स्ट्रेट फिट के बाद, बॉयफ्रेंड फिट और अब फ्लेयर्ड जींस की धूम है। ये कम्फर्टेबल होने के साथ ही स्टाइलिश दिखती हैं। हालांकि, जिन लोगों के पेट काफी बाहर होते हैं वह जींस से दूरी बना लेते हैं। क्यों इसमें पेट काफी ज्यादा दिखता है। ऐसे में आपको बता रहे हैं कुछ जींस टाइप के बारे में जो आपका पेट छिपाने में मदद कर सकती हैं।

पेट छिपाने के लिए किस तरह की जींस खरीदें-

1) **टमी टक जींस-** इस तरह की जींस आपके पेट को छुपाने में मदद कर सकती हैं। दरअसल इस तरह की जींस के ऊपरी हिस्से में टमी टकर आता है। जो बैली फैट को काफी हद तक छुपा सकता है। अगर आप जींस के साथ शर्ट या टॉप को टक करके पहनती हैं तो ये जींस बेहतरीन है। क्योंकि इसका फ्रंट लुक दिखने में काफी अच्छा लगता है।

2) **हाई वेस्ट जींस-** इस तरह की जींस आपके लटकते पेट अंदर छिपा सकती हैं। ये जींस वेस्ट के ऊपर हिस्से में रहती है ऐसे में पेट को दबाया जा सकता है। हालांकि इसके साथ कछ फिटिंग टॉप या शॉर्ट टॉप पहनने से बचें क्योंकि इस तरह की जींस पेट को छिपा तो सकती है लेकिन इसमें शेप दिखाई देती है।

3) **फ्लेयर्ड जींस-** इन दिनों इस तरह की जींस काफी ज्यादा ट्रेंड में है। अगर आप अच्छी बॉडी शेप में दिखना चाहते हैं तो इस तरह की जींस बेहतरीन हैं। ये जींस एंकल तक फ्लेयर होती हैं ऐसे में इसमें पेट पूरी तरह से छिप जाता है। इसे स्टाइल करने के लिए आप कुछ टीशर्ट्स को पहन सकती हैं।

4) **वाइड लेग जींस-** ट्रेड को देखें तो इस तरह की जींस को लड़कियां खूब पसंद करती हैं। जींस में मेगा हाई राइज कट आपके पेट काफी हद तक छिपा देता है। इसके साथ एक अच्छे फुटवियर को पहनने पर आप काफी स्टाइलिश दिख सकती हैं।

कोई भी गंभीर बीमारी एक दिन में नहीं होती, बल्कि बीमारियों के भी चरण होते हैं। ऐसे में अगर आप शुरुआती संकेत या लक्षणों को समझ जाते हैं, तो आप समय रहते बीमारियों का इलाज करा सकते हैं। अर्थराइटिस बीमारी भी ऐसी ही है। यह बहुत ही दर्दनाक बीमारी है। उम्र बढ़ने के साथ यह बीमारी और भी खतरनाक होती जाती है। जोड़ों और हड्डियों के दर्द की यह बीमारी इतनी खतरनाक हो जाती है कि काम करना तक मुश्किल हो जाता है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों के बारे में जरूर जानें।

पहचानें अर्थराइटिस के शुरुआती लक्षणों को

जोड़ों में दर्द होना

जोड़ों में दर्द गठिया का पहला संकेत है। इसमें दर्द के साथ जोड़ों में जलन जैसा महसूस होता है। यह दर्द इतना बढ़ जाता है कि चलना, पैर मोड़ना भी बहुत मुश्किल हो जाता है।

लाल दिखना

जोड़ों के आसपास लालिमा (Redness) भी दिखाई देती है। ज्यादातर मरीजों को यह शिकायत भी होती है। यह भी एक शुरुआती लक्षण है।

सूजन

जोड़ों में दर्द के साथ सूजन भी हो सकती है। यह सूजन घुटनों के आसपास ज्यादा होती है और इसे देखकर लगता जैसे आपको कोई चोट लगी हो। सूजन नीली और लाल रंग की दिखाई देती है।

सुबह के समय ज्यादा दर्द होना

कई मरीजों को सुबह के समय पैरों और हाथों के जोड़ों में ज्यादा दर्द होता है। खासतौर पर बदलते मौसम में हाथ-पैरों में दर्द ज्यादा होता है।

चलने-फिरने में परेशानी

आपको अगर चलने-फिरने में परेशानी और घुटनों में दर्द, चटकन जैसी प्रॉब्लम्स हों, तो समझ जाएं कि ये भी अर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं।

सूखी ब्रेड से बनाएं टेस्टी डिशेज

आप सूखी हुई ब्रेड को फेंकने की बजाय कई तरीकों से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे न सिर्फ ब्रेड डस्टबिन में जाने से बच जाएगी। आइए, जानते हैं कैसे बनाएं ड्राय से

एक बार ब्रेड का पैकेट खुलने के बाद इसे फ्रेश रखना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। हम ब्रेड को कितना भी अच्छी तरह क्यों न रखें लेकिन यह सूखने लगती हैं। ऐसे में आप सूखी हुई ब्रेड को फेंकने की बजाय कई तरीकों से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे न सिर्फ ब्रेड डस्टबिन में जाने से बच जाएगी बल्कि कई स्वादिष्ट पकवानों का जायका बढ़ाने के काम भी आएगी। आइए, जानते हैं कैसे करें ड्राय ब्रेड का रेसिपीज में इस्तेमाल।

क्रिस्पी पकौड़े या टिक्की

आपको अगर क्रिस्पी पकौड़े या टिक्की बनाने हैं, तो आप इसमें ब्रेड क्रम्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ब्रेड को मिक्सी में डालकर चूरा बना लें। फिर इसे आप पकौड़े या टिक्की के घोल में डाल दें। पकौड़े ज्यादा क्रिस्पी और स्वादिष्ट बनेंगे।

ब्रेड रोल्स

आप ब्रेड रोल्स भी बना सकते हैं। आप सोच रहे होंगे कि आखिर सूखी हुई ब्रेड से ब्रेड रोल्स कैसे बनाए जा सकते हैं। इसके लिए आपको ब्रेड को गीला करना होगा। इसके बाद जिस तरह से ब्रेड रोल्स बनते हैं, बना लें।

सूप में डालें क्रूटोन्स

सर्दियों में सूप तो सभी को अच्छा लगता है। आप अगर स्वादिष्ट सूप बनाना चाहते हैं, तो आप सूखी ब्रेड का इस्तेमाल क्रूटोन्स बनाने में भी कर सकते हैं। इसके लिए ब्रेड को टोस्टर में डालकर सेंक लें।

ब्रेड पिज्जा

सूखी हुई ब्रेड का पिज्जा बना सकते हैं। इसके लिए आप अपनी फेवरेट सब्जियों का इस्तेमाल करके पिज्जा बना सकते हैं। इससे ब्रेड पिज्जा का स्वाद बहुत अच्छा लगता है।

लूज कपड़े होंगे फिटिंग

कभी-कभी ऐसा होता है कि लोकल मार्केट या ऑनलाइन वेबसाइट पर हमें कोई ड्रेस पसंद आ जाती है और हम उसे खरीद लेते हैं। हमें वह ड्रेस इतनी पसंद आती है कि हम ध्यान ही नहीं देते कि उस ड्रेस का साइज काफी बड़ा है। हमें लगता है कि हम इसकी फिटिंग कर लेंगे।

अपनाएं ये हैक्स

इसके अलावा एक कारण यह भी होता है कि ड्रेस इतनी ज्यादा सुंदर होती है कि आप इसके साइज पर ध्यान ही नहीं देते और जब आप कहीं जाने के लिए इस ड्रेस को पहनते हैं, तो ड्रेस की फिटिंग सही नहीं आती। ऐसे में आप ड्रेस को निकालने से अच्छा इसे टेम्परेरी फिटिंग कर सकते हैं। इसके लिए कई कवरअप हैक्स भी आपके काम आएंगे।

सेफ्टी पिन से फिट करें

आपके खरीदे हुए कपड़े की फिटिंग में अगर मामूली-सा अंतर है, तो आप इसे सेफ्टी पिन से भी खासतौर पर कंधों पर अंदर की तरफ से सेफ्टी पिन लगा लें। वहीं, अगर स्लीव्स लंबी हैं, तो आप इसे मोड़ भी सकते हैं।

बेल्ट लगाएं

आपकी ड्रेस अगर कमर से ज्यादा लूज हो रही है, तो आप इसके लिए बेल्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। बेल्ट काफी स्टाइलिश भी लगती है और इससे आपकी लूज ड्रेस फिट भी नजर आएगी।

जैकेट कैरी करें

किसी ड्रेस के ऊपर डेनिम या फ्लोरल प्रिंट जैकेट भी बहुत अच्छी लगती हैं। इससे आपकी ड्रेस ज्यादा हाइलाइट भी नहीं होगी और आपका नया स्टाइल भी क्रिएट हो जाएगा। आप ड्रेस कलर के हिसाब से ही जैकेट कैरी करें, वरना डेनिम जैकेट लगभग हर ड्रेस के साथ मैच हो जाती है।

कफ से जकड़ गई है छाती

ये घरेलू उपचार दिलाएंगे चैन की सांस

सर्दियां शुरू होने के साथ बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शन ने भी दस्तक दे दी है। ऐसे में गला खराब और खासी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। यह सामान्य प्रक्रिया है। हालांकि कई बार यह तकलीफदेह हो जाता है। दरअसल शरीर में किसी पैथोजन के प्रवेश करने के साथ इम्यून सिस्टम एक्टिव हो जाता है। इसी के रिस्पॉन्स में म्यूकस बनने लगता है। इसमें पैथोजन्स, एलर्जी पैदा करने वाले कण या धूल-मिट्टी चिपक जाती है। खांसी के जरिए इसे शरीर से बाहर निकाला जाता है। कई दफा वायरल ठीक हो जाने के बाद यह कफ सीने में जकड़ा रहता है। इसको न निकाला जाए तो अंदर दूसरे इन्फेक्शंस भी हो सकते है। यहां जानें कुछ घरेलू उपचार।

पीएं खूब पानी

शरीर में कोई भी संक्रमण हो तो सबसे पहले पानी पीने पर फोकस करें। वायरल, बैक्टीरियल इन्फेक्शन या कफ जकड़ने पर भी यह नुस्खा काम करता है। पानी पीने से म्यूकस का गाढ़ापन कम होता है। आप अगर सिर्फ पानी नहीं पी पा रहे तो लिक्विड डाइट ज्यादा लें। सूप, ग्रीन टी या दूसरे गरम पेय भी फायदा करेंगे।

भाप देगी राहत

खांसी और कफ के समय भाप लेना भी फायदेमंद होता है। आप बाजार के स्टीमर यूज कर सकते हैं। इसके अलावा घर पर भी पानी उबालकर भाप बना सकते हैं। भाप लेने से गले का इन्फ्लेमेशन कम होता है। खांसी में भी राहत मिलती है।

शहद-नींबू करें ट्राई

गुनगुने पानी में नींबू का पानी और शहद मिलाकर पीएं। शहद में एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज होती हैं। नींबू में विटामिन सी होता है जो आपकी इम्यूनिटी के लिए बेस्ट है। शहद को नैचुरल डिकंजेस्टेंट माना जाता है। यह गले के दर्द में भी राहत देता है।

गोल्डन मिल्क देगा आराम

फाइनली सोते समय आप हल्दी, काली मिर्च वाला दूध भी पी सकते हैं। इस दूध के फायदे कई बार बताए जाते रहे हैं। इसे गोल्डन मिल्क कहते हैं। हल्दी में एंटी इन्फ्लेमेट्री गुण होते हैं और यह ऐंटी बैक्टीरियल भी होती है।

चुकंदर और गुलाब का होममेड फेस पैक

15 दिनों में निखरेगा चेहरा

आप अगर पिंक ग्लो पाना चाहते हैं, तो आपको गुलाब और चुकंदर के इस फेसपैक के बारे में जरूर जानना चाहिए। इस फेसपैक को अगर लगातार 15 दिन लगा लेंगे, तो आपको अपने चेहरे पर पिंक ग्लो जरूर दिखेगा। यह बात सही है कि कोई भी फेसपैक रोजाना नहीं लगाना चाहिए लेकिन चुकंदर और गुलाब से बना यह फेसपैक बहुत माइल्ड है। आप इसे आसानी से रोजाना 15 दिनों तक चेहरे पर लगा सकते हैं। आप 20 मिनट से ज्यादा इसे फेसपैक को चेहरे पर नहीं लगाना है। आइए, जानते हैं कैसे बनाएं और अप्लाई करने का सही तरीका क्या है-

ऐसे बनाएं

इसे बनाने के लिए आपको फ्रेश गुलाब के फूल चाहिए। एक गुलाब का लाल या गुलाबी फूल लेकर इसे अच्छी तरह धो लें। अब आधा चुकंदर लेकर इसे छिलकर धो लें। चुकंदर को ग्रेट कर लें। इसमें एक चम्मच गेहूं का चोकर डालें। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जेल भी डालें। अब गुलाब के पत्तों को पीसकर इसमें मिला दें। आखिर में चुकंदर डालें। इन्हें अच्छी तरह मिक्स कर लें। आपकी स्किन अगर ऑयली है, तो आप टी ट्री ऑयल की 3-4 ड्रॉप्स भी इसमें डाल सकते हैं। अच्छी तरह मिक्स कर लें। चेहरे को अच्छी तरह फेसवॉश से धोकर यह फेसपैक चेहरे और गर्दन पर अप्लाई कर लें।

इन बातों का रखें ध्यान

- आपको 20 मिनट से ज्यादा के लिए इसे अप्लाई नहीं करना है।
- फेसपैक सूख जाने के बाद इसे रगड़ने से बचें। पानी से इसे साफ करें।
- इसे नॉर्मल या ठंडे पानी से धोएं। फेसवॉश का इस्तेमाल न करें।
- धोने के बाद अच्छी-सी कोल्ड क्रीम चेहरे पर लगा लें।

चिया सीड्स से पाएं मोटापे से छुटकारा

बढ़ता मोटापा आज हर किसी के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। मोटापा न सिर्फ व्यक्ति के आत्मविश्वास को कम करता है बल्कि जल्द ही उसे कई रोगों का शिकार भी बना सकता है। अगर आप भी अपने बढ़ते मोटापे से परेशान हैं तो अपनी डाइट में चिया सीड्स को इस तरह से शामिल करें। आइए जानते हैं वेट लॉस जर्नी में कैसे मदद करता है चिया सीडिस और इसका सेवन करने से व्यक्ति को मिलते हैं क्या-क्या फायदे।

चिया सीड्स के फायदे

चिया सीड्स ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होने के कारण इम्यूनिटी को बूस्ट करके आपको लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते । जिससे आपका पाचन तंत्र भी ठीक तरह से काम करता है। वेट लॉस के लिए मजबूत बूस्टर माने जाने वाले ये छोटे काले और सफेद बीज मिंट फैमिली से जुड़े हुए हैं और सुपरफूड के रूप में जाने जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो लिपिड प्रोफाइल को बढ़ावा देते हैं और फैट के जमाव को कम करते हैं।

कितनी मात्रा में लेना चाहिए चिया सीड्स

वेट लॉस के लिए अगर चिया सीड्स का सेवन कर रहे हैं तो आप दिन में 2 बड़े चम्मच ले सकती हैं। चिया सीड्स को कभी भी ज्यादा मात्रा में न लें। इससे आपकी हेल्थ को नुकसान हो सकता है।

गोंडवाना युवक-युवती परिचय सम्मेलन में बने रिश्ते

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने ऐसे आयोजनों को बताया समय की मांग

दुर्ग (समय दर्शन)। केंद्रीय गोंड महासभा धमधागढ की जिला महिला इकाई व गोंडवाना महिला मित्र समिति द्वारा जलाराम भवन सिविल लाइन में आयोजित गोंडवाना युवक-युवती परिचय सम्मेलन में समाज के युवा उत्साह के साथ शामिल हुए। इस दौरान युवाओं ने मंच में आकर अपना परिचय दिया और जीवनसाथी चयन के लिए कदम बढ़ाया। युवक-युवती परिचय सम्मेलन में कुछ रिश्ते तय भी हुए है। समाज द्वारा यह युवक-युवती परिचय सम्मेलन विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए पालकों को रिश्ता ढुंढने में आ रही परेशानियों को दूर करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। जिसका समाज के लोगों को लाभ मिला। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय गोंड महासभा धमधागढ़ के अध्यक्ष एमडी ठाकुर ने की। इस अवसर पर अतिथि के रुप में नगर निगम सभापति श्याम शर्मा, पार्षद मनीष कोठारी, युवराज कुंजाम, प्रदेश प्रवक्ता विष्णुदेव ठाकुर, महासभा के प्रमुख सलाहकार सीताराम ठाकुर, राजकुमार, ऋषि ध्रुव मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि युवक-युवती परिचय सम्मेलन वर्तमान समय की आवश्यकता है। इससे पालकों को अपने बच्चों के लिए योग्य जीवनसाथी ढुंढने में आसानी होती है और समय और व्यर्थ खर्च से भी राहत मिलती है। इस अवसर पर केन्द्रीय गोंड महासभा धमधागढ़ की मांग पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव द्वारा गोंडवाना भवन के मुख्य प्रवेश द्वार के सौंदर्यीकरण कार्य के लिए राशि देने की घोषणा की गई। इसके पहले आयोजन समिति की सदस्य अनीता ठाकुर ने अपने उद्बोधन में आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और आयोजन को समय की मांग बताया। संचालन भारती व नागेश और आभार प्रदर्शन महेश्वरी ठाकुर द्वारा किया गया।

खबर-खास

जन्मदिन पर जनसेवा की मिसाल, तुमड़ीबोड़ में नि:शुल्क परामर्श कैम्प आयोजित

राजनांदगांव (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत तुमड़ीबोर्ड में आज एक सराहनीय सामाजिक पहल देखने को मिली, जब यस पारख ने अपने जन्मदिन के अवसर पर नि:शुल्क परामर्श कैम्प का आयोजन किया। इस कैम्प में क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श का लाभ उठाया।

कार्यक्रम में ग्रामीणों को स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विशेषज्ञों द्वारा उपयोगी सलाह दी गई। कैम्प में चिकित्सा के साथ-साथ अन्य आवश्यक जीवनशैली सुधार पर भी चर्चा की गई, जिसे लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया।

ग्रामवासियों ने यस पारख को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उन्हें स्नेह एवं आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर यस पारख ने कहा कि उनका जीवन उद्देश्य केवल जनसेवा करना है और भविष्य में भी वे इस प्रकार के सामाजिक कार्यों के माध्यम से क्षेत्रवासियों की सेवा करते रहेंगे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए यस पारख ने सभी ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में जागरूकता फैलाना और स्वास्थ्य को लेकर लोगों को सही दिशा दिखाना उनका उद्देश्य है।

ग्रामीणों ने इस पहल को सराहा और कहा कि यह एक बेहतरीन उदाहरण है, जब किसी व्यक्ति ने अपने व्यक्तिगत जश्न को जनसेवा में बदल दिया।

महानदी आरती में श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम

महासमुन्द (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक नगरी सिरपुर में आयोजित तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव के पावन अवसर पर प्रति दिवस महानदी तट पर शाम 7:30 बजे दिव्य महानदी आरती का आयोजन किया जा रहा है। दूसरे दिन इस आध्यात्मिक आयोजन में महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह शामिल हुए। इस अवसर पर वरिष्ठ जनप्रतिनिधि ओ.पी. चौधरी, सिरपुर गंधेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष दाऊ लाल चंद्राकर, अपर कलेक्टर रवि साहू, एसडीएम बसना हरिशंकर पैकरा, डीएमसी रेखराज शर्मा, सरपंच सिरपुर श्रीमती पुष्पा के. माली सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, श्रद्धालु, पर्यटक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने विधिवत पूजा-अर्चना कर दीप प्रज्वलन किया तथा श्रद्धा भाव से महानदी आरती सम्पन्न की। महानदी आरती के दौरान संपूर्ण वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि एवं मधुर भक्ति संगीत से भक्तिमय हो उठा। महानदी के पावन तट पर प्रज्ज्वलित सैकड़ों दीपों की आलोकित आभा, जल तरंगों पर झिलमिलाती रोशनी और सामूहिक आरती का भव्य एवं दिव्य दृश्य उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर गया। संपूर्ण वातावरण श्रद्धा, भक्ति और शांति से परिपूर्ण हो उठा।

संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में युवा संगम का भव्य आयोजन संपन्न

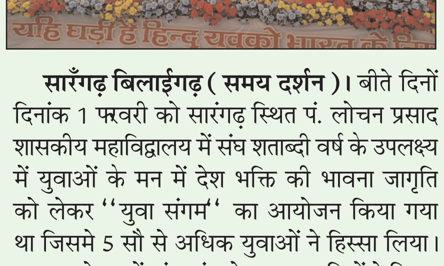

सारँगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। बीते दिनों दिनांक 1 फरवरी को सारंगढ़ स्थित पं. लोचन प्रसाद शासकीय महाविद्यालय में संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में युवाओं के मन में देश भक्ति की भावना जागृति को लेकर ''युवा संगम'' का आयोजन किया गया था जिसमे 5 सौ से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया। उक्त आयोजन में गांव गांव से युवक युवतियों ने हिस्सा लिया। युवा संगम में युवाओं ने अपनी जिज्ञासा भी सभी के बीच रखी जिसका जवाब समिति सदस्यों व संघ पदाधिकारियों के द्वारा प्रदान किया गया और उनकी जिज्ञासा को समाप्त किया गया। युवा संगम कार्यक्रम की तैयारी बीते कई दिनों से लगातार चल रही थी। प्रात: 8 बजे से प्रारंभ हुए पंजीयन में लगभग 500 से अधिक युवाओं ने अपना पंजीयन कराया। अल्पाहार और उसके बाद शाखा भी लगाई गई। जिसके बाद युवक युवतियों के अलग अलग गट बना दिये दिए और उनके मन में उठ रहे जिज्ञासाओं को जाना गया। तदोपरांत आयोजन समिति के सदस्यों ने युवाओं के साथ भोजन भी किया। उसके बाद विडियो प्रस्तुती के माध्यम से देश व महापुरूषों के बारे में युवाओं को जानकारी प्रदान की गई।

अग्रिम विवेचना, जमानत और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य पर कार्यशाला संपन्न

कानून की बारीकियों के साथ रचनात्मकता का संगम

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में विधिक ज्ञान और कलात्मकता का एक अनूठा संगम देखने को मिला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के तत्वावधान में अग्रिम विवेचना, जमानत एवं इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस जैसे गंभीर, प्रासंगिक और समसामयिक विषयों पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रात: 10:00 बजे आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उक्त कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने कानून के तकनीकी पहलुओं को बहुत ही सरल अंदाज में प्रस्तुत किया। श्रीमती पल्लवी गुप्ता (सहायक जिला अभियोजन अधिकारी दुर्ग) ने 'अग्रिम विवेचना' की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एक बेहतर विवेचना ही न्याय की नींव होती है। श्रीमती शिक्षा मेश्राम (सहायक जिला अभियोजन अधिकारी दुर्ग) ने 'जमानत' के नवीनतम प्रावधानों और प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी दी। श्री सौरभ शेन्द्रे (असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम दुर्ग) ने वर्तमान डिजिटल युग में 'इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस' की महत्ता, संग्रहण और न्यायालय में उनकी ग्राह्यता पर सारगर्भित वक्तव्य दिया।

इस अवसर पर अपने सारगर्भित उद्बोधन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने संबोधित किया कि बदलते दौर में अपराधों की प्रकृति हाईटेक हो गई है, ऐसे में अग्रिम विवेचना, जमानत एवं इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस की बारीकियों को समझना अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों के लिए अनिवार्य है।

श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुला लंगूरवीर मंदिर का गर्भगृह

मंदिर के वार्षिक महोत्सव में नई शुरुआत से श्रद्धालु उत्साहित, सांस्कृतिक आयोजनों का श्रद्धालुओं ने लिया आनंद

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिले के अति प्राचीन भगवान लंगूरवीर मंदिर के वार्षिक महोत्सव और मंडई मेला में श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटे और धार्मिक कार्यक्रमों में पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ शामिल होकर मंडई मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया। भगवान श्री लंगूरवीर मंदिर पब्लिक ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह वार्षिक महोत्सव कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। इस दिन से मंदिर में भगवान लंगूरवीर के दर्शन के लिए गर्भगृह खोल दिए गए है। अब आम श्रद्धालु भी गर्भगृह में प्रवेश कर भगवान लंगूरवीर के दर्शन कर सकेगा, वहीं लंगूरवीर की आरती (गीत) रिलीज और कलयुग का महामंत्र रामलेखन महायज्ञ की शुरुआत की गई। साथ ही छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत और भजनों की प्रस्तुति ने आयोजन में श्रद्धालुओं में उत्साह भर दिया। जिससे यह वार्षिक महोत्सव व मंडई मेला का आयोजन यादगार बन गया।

इस अवसर पर अतिथि के रुप में शामिल समाजसेवी डॉ. मानसी गुलाटी, निगम एमआईसी सदस्य हर्षिका संभव जैन,ज्ञानेश्वर ताम्रकार और अन्य अतिथियों ने पूरे आयोजन की सराहना की और धार्मिक व सांस्कृतिक परम्पराओं को जीवंत रखने ऐसे आयोजनों पर बल दिया गया। इस दौरान अतिथियों के साथ भगवान लंगूरवीर की आरती (गीत) को स्वर देने वाले प्रसिद्ध गायक कांतिकार्तिक यादव द्वारा आरती (गीत) रिलीज किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में लोक कलाकार जितेंद्र साहू कृत सोनहा बादर, प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी, भजन गायक लीलाधर चतुर्वेदी सूरदास, प्रसिद्ध गायक नीलकमल वैष्णव, भजन गायक खिलेश यादव, प्रसिद्ध बांसुरी वादक ओपी देवांगन ने अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। गीत-संगीत में श्रद्धालुओं ने नाच-गाकर अपनी श्रद्धा भक्ति प्रकट की। भगवान श्री लंगूरवीर मंदिर का वार्षिक महोत्सव और दुर्ग मंडई मेला की शुरुआत सुबह 7 बजे भगवान श्री लंगूरवीर के महाअभिषेक और पूजा अर्चना के साथ हुई। पूजा अर्चना की यह प्रक्रिया मंदिर के पंडित खेमंत प्रसाद तिवारी (राजू महाराज) के सानिध्य में पूरी की गई।

इसके अलावा सुबह से लेकर शाम तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। मंडई मेला में श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए खाद्य सामग्रियां, खिलौने व अन्य सामग्रियों के स्टाल आकर्षण का केन्द्र रहे। रोमांचकारी झूलों का बच्चों ने जमकर आनंद उठाया। मंचीय कार्यक्रम का संचालन भगवान श्री लंगूरवीर मंदिर शनिचरी बाजार दुर्ग पब्लिक ट्रस्ट के अध्यक्ष मानव सोनकर और आभार प्रदर्शन सचिव रविशंकर ढीमर ने किया।

नागरिक सहकारी बैंक के डायरेक्टर पद के चुनाव के लिए प्रत्याशियों ने दाखिल किए नामांकन

बैंक के इतिहास में डायरेक्टर पद के लिए पहली बार बन रही है मतदान की स्थिति,

चुनाव के लिए पैनल भी तैयार, रुंगटा व परिवर्तन पैनल के बीच हो सकता है मुकाबला

दुर्ग (समय दर्शन)। नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के 12 संचालक मंडल सदस्य पद (डायरेक्टर) के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरु हो गई है। मंगलवार को प्रत्याशियों ने उत्साह के साथ नामांकन दाखिल किया। कुल 44 नामांकन प्राप्त हुए है। इनमें कुछ प्रत्याशियों के एक से अधिक नामांकन मिले है। यह नामांकन प्रक्रिया रिटर्निंग अधिकारी देवाशीष दास के देखरेख में पूरी की गई। नामांकन प्रक्रिया के चलते बैंक मुख्यालय अस्पताल वार्ड पचरीपारा में प्रत्याशी, उनके समर्थक और बैंक से जुड़े सदस्य जुटे थे। जिससे नामांकन प्रक्रिया के दौरान गहमागहमी का माहौल निर्मित रहा। नागरिक सहकारी बैंक के इतिहास में संचालक मंडल सदस्य पद के लिए पहली बार मतदान की स्थिति बनते नजर आ रही है। लिहाजा प्रत्याशियों द्वारा दो अलग-अलग पैनलों में अपना नामांकन दाखिल किया गया है। रुंगटा पैनल से प्रत्याशी कमलनारायण रुंगटा, मनोज ताम्रकार, तेजबहादुर बंछोर, संजय सिंह,अखिलेश मिश्रा, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, पवन बड़जात्या, श्रीमती नीलू देवांगन, श्रीमती सुनीता अग्रवाल, अरविंद सुराना, श्रीपाल कोठारी, श्रीमती वसुन्धरा चौरे ने नामांकन दाखिल किया है, वहीं परिवर्तन पैनल से प्रत्याशी राजेश यादव, वेंकट साई शास्त्री राव, मंगल प्रकाश गुप्ता, दीपक चावड़ा, दिनेश मारोटी, रविशंकर भट्ट,अंबर ताम्रकार, अंजय ताम्रकार, पदम ताम्रकार, श्रीमती संध्या तिवारी, रजनी जोशी, श्रीमती वसुन्धरा चौरे द्वारा अपने नामांकन जमा किए गए है। अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित संचालक मंडल सदस्य के एक पद के लिए केवल श्रीमती वसुन्धरा चौरे द्वारा ही नामांकन दाखिल किया गया है। जिनका निर्विरोध निर्वाचित होना तय है। जिसके चलते दोनो पैनल द्वारा श्रीमती वसुन्धरा चौरे को अपने पैनल से प्रत्याशी होने का दावा किया जा रहा है। इस चुनाव में 12 संचालक मंडल सदस्य पद में 10 पद सामान्य वर्ग (अनारक्षित) के लिए है। इनमें 2 पद महिला वर्ग और 2 पद सनदी लेखाकार (चार्टर्ड एकाउंटेंट) के लिए आरक्षित किए गए है। इसके अलावा 1-1 पद अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित किए गए है। संचालक मंडल सदस्य पद के प्रत्याशियों द्वारा मंगलवार को दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच नामांकन पत्र जमा किए गए। 4 फरवरी को शाम 4 बजे से प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी।

सुर समृद्धि एवं नवदीप को मिला प्रथम पुरस्कार : मानसगान प्रतियोगिता

साजा (समय दर्शन)। ग्राम हसदा में आदर्श बाल मानस मंडली एवं समस्त ग्राम वासी हंसदा के तत्वावधान में दो दिवसीय संगीतमय श्री राम चरित मानस गान प्रतियोगिता का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। आयोजन का मुख्य आकर्षक प्रख्यात रामायणी एवं गीतकार तुलसी के बिरवा मानस मण्डली बिलासपुर से प्रो रामनारायण ध्रुव ने सभी को अपने भजनों से मंत्र मुग्ध कर दिया बता दे कि कार्यक्रम में छ ग् अंचल से कुल 18 ख्याति लब्ध मानस मंडलियों ने हिस्सा लिया जिसमें प्रथम सुर समृद्धि मानस मंडली बेमेतरा संगम मानस मंडली खल्लारी द्वितीय लोक सिंगार मानस मंडली आमकोनी बलौदाबाजार तृतीय नवनीत मानस मंडली नंदिनी नगर चतुर्थ सत्संग मानस मंडली दर्री नवागढ़ पंचम वैदेही मानस मंडली गोपाल भैना छठवा श्री गणेशा मानस मंडली उमरिया सप्तम श्रद्धा सुमन मानस मंडली करमापटपर आठवां मा हंस वाहिनी मानस परिवार खरोरा नवम जय जय गुरुदेव भुनेश्वर हरिकीर्तन मानस मंडली परसदा को दसवां स्थान प्राप्त हुआ। वही महिला वर्ग में नवदीप महिला मानस मंडली अंबागढ़ चौकी प्रथम माँ लक्ष्मी महिला मानस मंडली अहिवारा द्वितीय वंदना महिला मानस मंडली पाररास बालोद तृतीय प्रेरणा महिला मानस मंडली रामनगर सुपेला भिलाई को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ विशेष व्याख्या में हेमलता साहू अंबागढ़ चौकी आर्गन रवि साहु उमरिया बासुरी टिकेंद्र धीवर बेमेतरा तबला पीयूष साहू खल्लारी बैंजो चंद्रभान ध्रुव गोपाल भैना गायन राजा तंतुवाय बेमेतरा को प्रदान किया गया। आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधि योगेश तिवारी प्रतिनिधि अध्यक्ष जिला पंचायत बेमेतरा रेखा पोषण सिंहा जनपद सदस्य बेरला संध्या परगनिहा प्रदेश मंत्री शेखर परगनिहा सरपंच हंसदा डा सोमनाथ साहू समाज सेवी भारतीय विष्णु वर्मा चंद्रिका प्रकाश वर्मा नारानतक पाल ओम सिंहा उपसरपंच वही मां भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा से अध्यक्ष देवलाल सिंहा के अलावा हरिश्चंद्र वर्मा बिहारी, यदु विष्णु साहू, धनेश वर्मा, लखन वर्मा, राजेंद्र मानिकपुरी आदि ने हिस्सा लिया।

सभी ने कार्यक्रम की भरपूर सराहना की आयोजन में आयोजक समिति के सदस्य गुहा राम साहू, डॉ भगत राम साहू, खिलावन वर्मा मदन लाल सिंहा, महादेव सिंहा राजकुमार परगनिहा, डॉ शंभू लाल साहू, गिरधर साहू, राजकुमार सिंहा, विष्णु निर्मलकर, डमरूधर साहू, लक्ष्मीनाथ वर्मा, शत्रुध्न पाल, कुलेश्वर धीवर, हरिराम साहू सहित समस्त ग्राम वासियों का सहयोग रहा। आयोजन का सीधा प्रसारण त्रिलोक स्टूडियो द्वारा किया गया।

धान नहीं बिकने से भड़के किसान, 50 से अधिक ट्रैटरों के साथ तहसील घेरावकर किया धरना प्रदर्शन

पिथौरा(समय दर्शन)। समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी नहीं हो पाने से आक्रोशित ग्रामीण सेवा सहकारी समिति मर्यादित राजाडेरा के सैकड़ों किसानों ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने धान से लदे 50 से अधिक ट्रैक्टरों के साथ तहसील कार्यालय पहुंचकर शासन-प्रशासन के खिलाफजमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान नगर क्षेत्र में लगभग आधा किलोमीटर तक ट्रैक्टरों की लंबी कतारें देखी गईं।

बताया गया कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान खरीदी की अवधि 15 नवंबर से 30 जनवरी तक निर्धारित की गई थी, लेकिन मंडी समिति कर्मचारियों की हड़ताल के कारण कई खरीदी केंद्रों में 1 दिसंबर के बाद ही खरीदी सुचारू हो सकी। वहीं सीमित आवक लिमिट के चलते राजाडेरा धान खरीदी केंद्र के 52 किसान पूरी तरह से समर्थन मूल्य पर धान बेचने से वंचित रह गए। इन किसानों का एक दाना भी सरकारी खरीदी में नहीं लिया गया। इसके अलावा करीब 99 किसान दूसरे चरण में खरीदी की आस लगाए बैठे रहे, लेकिन उन्हें भी निराशा हाथ लगी।

किसानों के अनुसार केवल राजाडेरा केंद्र में ही करीब 6 हजार क्विंटल धान की खरीदी नहीं हो सकी। किसानों का आरोप है कि उन्होंने कई बार खरीदी तिथि बढ़ाने और लिमिट हटाने की मांग की, लेकिन शासन-प्रशासन ने इस ओर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, जिससे किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

तहसील कार्यालय पहुंचने पर पुलिस प्रशासन ने मुख्य गेट पर बैरिकेडिंग कर किसानों को रोक दिया, जिससे आक्रोश और बढ़ गया। किसानों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, हालांकि एक तरफसे यातायात व्यवस्था चालू रखी गई।

इस आंदोलन में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कई नेता भी शामिल रहे। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे भाजपा नेता सादराम पटेल एवं प्रेमशंकर पटेल ने कहा कि वे पहले किसान हैं, बाद में राजनीतिक कार्यकर्ता। सादराम पटेल ने कहा कि जिन किसानों ने धान नहीं बेचा है, उन पर बैंक ऋण का भारी बोझ है और अब उसकी भरपाई कैसे होगी, यह सबसे बड़ा सवाल है।

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों ने आरोप लगाया कि इस वर्ष प्रशासन द्वारा बार-बार दबाव बनाया गया और कुछ स्थानों पर घरों से धान जब्ती की कार्रवाई भी की गई, जिससे किसानों में भारी रोष है। इस दौरान किसानों ने गांजा नहीं, हम धान उगाते हैं जैसे नारों के माध्यम से अपना विरोध दर्ज कराया।

बाद में तहसीलदार मनीषा देवांगन ने मौके पर पहुंचकर किसानों से चर्चा की और उनकी मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसान तहसील परिसर में धरने पर बैठ गए। आंदोलन में अरण्ड, टेका, सोनासिल्ली, खुटेरी, कौहाकुड़ा, बरेकेल, पिथौरा, सुखीपाली, बगारपाली, राजाडेरा, जम्हर, खुशरूपाली, गोडबहाल, कोकोभाठा, छिबर्रा और कोचर्रा सहित आसपास के गांवों के किसान बड़ी संख्या में शामिल रहे।

इस दौरान एसडीएम बजरंग सिंह वर्मा और तहसीलदार लगातार उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा करते रहे। किसानों का स्पष्ट कहना है कि जब तक उनका धान समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदा जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष पूरे छत्तीसगढ़ में धान खरीदी के मामले में महासमुंद जिला प्रदेश में अव्वल रहा है, इसके बावजूद जिले के सैकड़ों किसानों का लाखों क्विंटल धान तिथि और लिमिट की वजह से नहीं बिक सका, जिससे किसानों में भारी नाराजगी है।

कलेक्टर, डीएमओ, मार्कफेड के अधिकारी, डीआरसीएच और सीसीपी नोडल को मामले की जानकारी दे दी गई है। यह उच्च स्तर पर निर्णय का विषय है। किसानों की मांगें वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा दी गई हैं।

बजरंग सिंह वर्मा
एसडीएम पिथौरा

पाटन में खाद्य विभाग की बड़ी लापरवाही, 50 से अधिक हितग्राहियों को नहीं मिला जनवरी माह का राशन

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय उचित मूल्य दुकान असोगा में खाद्य विभाग की घोर लापरवाही सामने आई है। जनवरी माह का राशन करीब 50 से अधिक हितग्राहियों को अब तक नहीं मिल पाया, जबकि पोस मशीन में हितग्राहियों के अंगूठे पहले ही लगवाए जा चुके हैं।

चावल के लिए गरीब और जरूरतमंद हितग्राही रोज़ाना राशन दुकान के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन दुकान संचालक और विभाग की ओर से केवल आश्वासन ही मिल रहा है। सवाल यह उठता है कि आखरि राशन कार्ड धारियों के नाम पर आबंटित राशन गया कहां? मामले में पाटन ब्लॉक खाद्य विभाग के अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है। अधिकारी मानिटरिंग के नाम पर औपचारिकता निभा रहे हैं, लेकिन हितग्राहियों की समस्या जस की तस बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार पाटन ब्लॉक की कई अन्य राशन दुकानों से भी इसी तरह की गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे स्पष्ट है कि यह केवल एक दुकान का मामला नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की विफलता है। खाद्य विभाग की इस लापरवाही से सरकार की जमकर किरकिरी हो रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं।

हितग्राहियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जनवरी माह का शेष राशन नहीं दिया गया, तो वे मजबूरन कलेक्टर से लिखित शिकायत करेंगे और आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

अब देखना यह है कि प्रशासन कब जागता है और गरीबों के हक के राशन पर बैठे जिम्मेदारों पर कार्रवाई होती है या नहीं।

इस विषय पर जब जनपद सदस्य श्रीमती रश्मि भेदप्रकाश वर्मा से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि इस तरह का लापरवाही पिछली करीब एक साल से हो रहा है। हमेशा राशन लेट से मिलता है। उन्होंने बताया कि लगातार फूड इंस्पेक्टर रामनारायण साहू को फोन के माध्यम से हितग्राहियों को चांवल नहीं मिलने की जानकारी देते है। लेकिन उनके द्वारा सिर्फ आश्वासन ही दिया जाता है। खाद्य विभाग की यह लापरवाही आम जनता के लिए काफी पीड़ा दायक बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि खाद्य विभाग के इस तरह के निष्क्रिय और गैर जिम्मेदार अधिकारी को पाटन से तत्काल हटाया जाना चाहिए। जिससे कि भविष्य में राशन वितरण व्यवस्था सुधर सके ।

40 वर्षों से बसे 250 परिवारों को आबादी पट्टा दिलाने की मांग को लेकर पार्षद मनोज गहरेवाल ने की कलेटर से मुलाक़ात

बसना (समय दर्शन)। नगर पंचायत बसना के वार्ड क्रमांक 01 शासकीय घास मद की भूमि को आबादी मद में परिवर्तित कर वर्षों से बसे परिवारों को आबादी पट्टा दिलाने की मांग पर जिला प्रशासन भी सक्रिय हो गया है। वार्ड पार्षद मनोज कुमार गहेरवाल के नेतृत्व में उठाई गई इस जनहित की मांग पर कलेक्टर महासमुंद ने तत्काल संज्ञान लेते हुए शासन स्तर पर चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। ज्ञात हो कि उक्त भूमि पर लगभग 40 वर्षों से 250 से अधिक परिवार मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। क्षेत्र पूर्णतः आबादी क्षेत्र के रूप में विकसित हो चुका है, जहां सड़क, बिजली, पेयजल सहित सभी मूलभूत सुविधाएं नगर पंचायत बसना द्वारा उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा नियमित कर वसूली भी की जा रही है।

पार्षद मनोज गहेरवाल ने बताया कि यह क्षेत्र अनुसूचित जाति बहुल है और अधिकांश निवासी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। भूमि आबादी मद में परिवर्तित नहीं होने के कारण पात्र हितग्राही प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं से वंचित हो रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि नगर पंचायत बसना की परिषद द्वारा इस संबंध में पूर्व में ही विधिवत प्रस्ताव पारित किया जा चुका है।

कलेक्टर द्वारा पार्षद मनोज गहेरवाल को दिए गए सकारात्मक आश्वासन से वार्डवासियों में आशा की किरण जगी है कि शीघ्र ही शासन स्तर से कोई ठोसज्ञनिर्णय लेकर पात्र परिवारों को आबादी पट्टा प्रदान किए जाने से गरीब वंचित परिवारों का आवास का सपना साकार हो पाएगा।

ई-ऑफिस प्रक्रिया में संभाग कार्यालय दुर्ग प्रदेश में अव्वल

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग संभाग कार्यालय ई-ऑफिस के माध्यम से फाईल निपटाने में प्रदेश के अन्य संभाग कार्यालयों में अव्वल है। एक जनवरी से लागू इस प्रक्रिया में संभाग कार्यालय दुर्ग में शिकायत, स्थापना, लाइसेंस और राजस्व भू-आबंटन से संबंधित 919 आवेदनों का ई-ऑफिस के माध्यम से पंजीबद्ध किया गया है। जबकि सरगुजा कार्यालय द्वारा 828, बस्तर द्वारा 641, बिलासपुर द्वारा 142 एवं संभाग कार्यालय रायपुर द्वारा 79 आवेदन ई-ऑफिस के माध्यम से पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार दुर्ग जिला ई-ऑफिस काउंट में 8,100 प्रकरण के साथ प्रदेश में द्वितीय स्थान पर है। संभाग आयुक्त श्री एस.एन. राठौर ने आज संभागीय कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में उक्त जानकारी देते हुए सभी संभाग स्तरीय कार्यालयों में भी ई-ऑफिस के माध्यम से आवेदन पंजीबद्ध करने पर जोर दिया।

वित्तीय स्वीकृति राशि 82 लाख दो माह से अधिक समय ब्यतित के बाद भी पी.एफ.एम.एस.के माधयम से लिमिट अब तक 41 विद्यालयों तक नहीं पहुँची

व्यवसायिक शिक्षा संचालन प्रभावित, प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

मुंगेली (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पश्चात केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करना है। यह सर्वविदित है कि शिक्षा किसी भी समाज और राज्य के समग्र विकास की आधारशिला होती है। शिक्षित समाज ही सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति की दिशा निर्धारित करता है।राज्य के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में संचालित विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, प्रयास आवासीय विद्यालय, महतारी दुलार योजना, मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना तथा नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत सेमेस्टर प्रणाली जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी एवं रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना है।इसी कड़ी में भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, नई दिल्ली द्वारा समग्र शिक्षा के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य परियोजना कार्यालय के माध्यम से मुंगेली जिले के 41 विद्यालयों में व्यवसायिक शिक्षा संचालन हेतु प्रति विद्यालय ?2 लाख की दर से कुल ?82 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। यह राशि वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2025-26 के अंतर्गत Office Expenses / Contingencies for School मद में PFMS प्रणाली के माध्यम से संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों को लिमिट जारी कर उपलब्ध कराई जानी थी।

दो माह से अधिक समय बीतने के बाद भी राशि वितरण नहीं

राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ से उक्त राशि की स्वीकृति एवं दिशा-निर्देश कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, मुंगेली को प्राप्त हुए दो माह से अधिक समय व्यतीत हो जाने के बावजूद, अब तक 41 विद्यालयों में पदस्थ कार्यरत प्राचार्यों को क्क्नस्र् के माध्यम से वित्तीय लिमिट जारी नहीं की गई है।इस विलंब के कारण जिले में संचालित व्यवसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही है, जिससे विद्यार्थियों को मिलने वाली शैक्षणिक सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं।

मुंगेली जिले के विद्यालयों में कृषि, ऑटोमोबाइल, ब्यूटी एंड वेलनेस, BFSI, इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर, हेल्थकेयर, आईटी, मीडिया एंटरटेनमेंट, रिटेल, टेलीकॉम, अपैरल, कंस्ट्रक्शन, प्लंबिंग, पावर तथा टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी जैसे कुल 15 ट्रेड में व्यवसायिक शिक्षा संचालित की जानी है। इन ट्रेडों के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रक्रियागत अनियमितता पर प्रश्न

सूत्रों के अनुसार, संबंधित विद्यालयों से बार-बार कागजी जानकारी एवं संभावित व्यय विवरण मांगे गए हैं, जबकि वास्तविक रूप से क्क्नस्र् के माध्यम से वित्तीय लिमिट जारी नहीं की गई। जबकि राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में राशि उपयोग संबंधी प्रावधान पहले से ही स्पष्ट रूप से उल्लेखित हैं।

बिना राशि जारी किए खर्च विवरण मांगना प्रक्रियागत अनियमितता की ओर संकेत करता है, जिससे न केवल विद्यालयों के कार्य प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं के क्रियान्वयन में भी बाधा उत्पन्न हो रही है।

वित्तीय सहायता वितरण में हो रही देरी के कारण विद्यालयों में संचालित व्यवसायिक शिक्षा कार्यक्रम प्रभावित हो रहे हैं। इसका सीधा असर वर्तमान शैक्षणिक सत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर पड़ रहा है, विशेषकर ऐसे समय में जब वार्षिक परीक्षाएं निकट हैं। यदि समय पर राशि जारी नहीं की गई, तो जिले के सैकड़ों विद्यार्थियों की रोजगारोन्मुखी शिक्षा एवं कौशल विकास की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका है। यह मामला प्रशासनिक लापरवाही एवं प्रक्रियागत विलंब से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, जिस पर शीघ्र संज्ञान लेते हुए जवाबदेही तय करने और पारदर्शी जांच की आवश्यकता है, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर विद्यार्थियों तक पहुँच सके।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, दुर्ग (छ.ग.)

पता - नया बस स्टैण्ड के पीछे, दुर्ग
फोन & फैक्स नम्बर- 0788-2322148
Email ID - durgmc2019@gmail.com

द्वितीय आफर आमंत्रण

क्रमांक / 721 / रा.वि.बा. / 2026 दुर्ग, दिनांक 02.02.2026

नगर पालिक निगम, दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत रोड साईड में (कुल 06 नग) यूनीपोल विज्ञापन बोर्ड लगाये जाने का कार्य किया जाना है। इच्छुक फर्मों/पार्टियों से दिनांक 16-02-2026 को कार्यालयीन समय तक ऑफर आमंत्रित किए जाते है। ऑफर हेतु प्रपत्र नगर निगम के बाजार विभाग में दिनांक 16-02-2026 तक प्राप्त किए जा सकते है। प्राप्त ऑफर दिनांक 17-02-2026 को उपस्थित ऑफरकर्ता के समक्ष 04.00 बजे शाम को खोले जायेगें। ऑफर के साथ 25,000/-रूपए अमानत राशि (एफ.डी.आर.) एवं आवेदन शुल्क 1,000/-रूपए नगद जमा कर रसीद प्राप्त करना होगा ।

नियम एवं शर्ते :-

01. यूनीपोल विज्ञापन बोर्ड की अधिकतम ऊँचाई 8.00 मी. रखना होगा। यूनिपोल की लंबाई चौड़ाई 20 × 20 वर्गफीट रखना होगा ।
02. यूनीपोल विज्ञापन बोर्ड की न्यूनतम दर 611/- रू0 प्रति वर्गफीट होगी। इससे कम की निविदा स्वीकृत नही की जायेगी ।
03. निविदा तीन लिफाफा पद्धति में प्रस्तुत करना होगा । लिफाफा अ में अमानत राशि के रूप में डी.डी. एवं अन्य वांछित दस्तावेज की छायाप्रति, लिफाफा ब में निविदा प्रपत्र की प्रति तथा लिफाफा स में लिफाफा अ एवं ब को डालना होगा । लिफाफा में कार्य का नाम लिखना अनिवार्य होगा ।
04. अन्य नियम एवं शर्ते कार्यालयीन समयावधि में कार्यालय में प्राप्त की जा सकती है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, दुर्ग (छ.ग.)

01. यूनिपोल की ऊँचाई जमीन स्तर से 08 मी. होनी चाहिये। यूनिपोल की लंबाई चौड़ाई 20 × 20 वर्गफीट रखना होगा ।
02. यूनीपोल का स्ट्रक्चरल डिजाईन समक्ष स्ट्रक्चरल इंजीनियर से तैयार करना होगा एंव सुरक्षित होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
03. प्रत्येक स्थान के लिए फाउण्डेशन डिजाईन समक्ष स्ट्रक्चरल इंजीनियर से तैयार कराना होगा एवं सुरक्षित होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा ।
04. आंधी तूफान या अन्य किसी कारण से ध्वस्त होने पर जन/धन की हानि होने पर स्वयं जिम्मेदार होने का शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा तथा नुकसान की भरपाई स्वयं वहन करना होगा।
05. स्थापित करने के उपरांत समस्त आवश्यक संधारण का कार्य स्वयं के व्यय से करना होगा ।
06. यूनीपोल में विधुत कनेक्शन हेतु निर्धारित शुल्क जमा कर अनापत्ति पत्र दिया जा सकेगा।
07. यूनीपोल पर विज्ञापन प्रदर्शन अधिकतम 05 वर्षो के लिए अनुबंधित किया जावेगा। जिसे परफारमेंस के आधार पर अधिकतम प्रत्येक वर्ष के लिए नवीनीकृत भी किया जा सकेगा
08. प्रत्येक वर्ष पश्चात् शुल्क का निर्धारण स्वीकृत दर में 10 प्रतिशत वृद्धि कर नवीनीकरण किया जा सकेगा या निगम के निर्णय अनुसार धटाई या बढाई जा सकेगी ।
09. विज्ञापन प्रदर्शन शुल्क निविदा के अनुसार प्रति वर्गफीट की दर से कार्यादेश जारी माह से 06-06 माह में जमा करना होगा। नियत तिथि के भीतर राशि जमा न करने पर 15 प्रतिशत मासिक अधिभार के साथ राशि जमा कराना होगा। नियम शर्तों के तहत् सूची प्रस्तुत करने के उपरांत उल्लेखित स्थल पर यूनीपोल की स्वीकृति पश्चात् लगाना होगा, एवं यूनीपोल अर्थात् दोनो डिस्प्ले को एक मानते हुए लंबाई × चौडाई कुल वर्गफीट माना जावेगा। न्यूनतम दर 611 /- रूपए प्रति वर्गफीट होगी। इससे कम की निविदा स्वीकृत नही की जायेगी।
10. यूनीपोल में तडित चालक का प्रावधान करना होगा एंव उपरी भाग पर लाल रंग का विधुत बल्ब लगाना होगा ।
11. निगम क्षेत्रांतर्गत रोड साईड में (कुल 06 नग) यूनीपोल लगाना होगा ।
12. निगम द्वारा विज्ञापन बोर्ड स्थापित करने तथा प्रचार प्रसार करने के अधिकार को किसी अन्य एजेन्सी को हस्तांतरित नही करेगा।
13. लायसेंसी द्वारा स्थापित विज्ञापन बोर्ड में शासन द्वारा प्रतिबंधित वस्तुओ एंव अश्लील विज्ञापनों का प्रदर्शन नही करेगा ।
14. स्थापित यूनीपोल को किन्ही कारणों से अन्यत्र स्थानांतरित किये जाने की स्थिति में लायसेंसी द्वारा स्वंय के व्यय से निगम द्वारा निर्धारित स्थान पर स्थापित करना होगा ।
15. यह कि, निगम को विज्ञापन (पंजीयन एवं विनियम) उपविधि, 2012 में विहित प्रावधानों का पालन किया जाना होगा।
16. शासन/निगम के दिये गये निर्देश पर एक वर्ष में 10 प्रतिशत दिन अर्थात् 36 दिन उनके बताये गये यूनिपोल विज्ञापन बोर्ड तैयार किया जाना एवं लगाया जाना अनिवार्य होगा।
17. किसी भी विवाद की स्थिति में आयुक्त नगर पालिक निगम, दुर्ग का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा । उपरोक्त शर्तों में से एक या अनेक शर्तों के उल्लंधन होने की स्थिति में अनुबंध समाप्त की जा सकेगी। एवं इस पर होने वाले समस्त व्यय की जिम्मेदारी लायसेंसी की होगी ।

आयुक्त, नगर पालिक निगम
दुर्ग

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जिले के विकासखण्ड दुर्ग/पाटन के विभिन्न शालाओं का औचक

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविन्द मिश्रा द्वारा जिले के विकासखण्ड दुर्ग/पाटन के विभिन्न शालाओं का औचक निरीक्षण किया गया। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बालाजी नगर खुर्सीपार के निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं को मध्यान्ह भोजन गंदे स्थान पर परोसा जा रहा था तथा परिसर में गंदगी के बीच छात्र-छात्राएं भोजन करते पाये गये कोई भी शिक्षक देखभाल के लिए नहीं थे जिसके लिए प्रधानपाठक श्री मीनूलाल को नोटिस जारी किया गया है।

शास.उ.मा.वि. सेक्टर-11 जोन-02 खुर्सीपार के निरीक्षण दौरान संस्था के निम्न उल्लेखित कर्मचारीगण 10.00 बजे तक विद्यालय नहीं पहुंचे थे। हेमन्त कुमार बघेल व्याख्याता एल.बी., श्रीमती नाजनी व्या.एल.बी., रिकी शर्मा व्या.एल.बी., हरिशचन्द्र वर्मा व्या.एल.बी., डां. श्रीमती दिप्ति सिंह गहरवार व्या.एल.बी., सुश्री अनिता बर्वे व्या., श्रीमती किरण एक्का व्या., श्रीमती पदमा साहू व्या. से.नि., श्री संतगाम यादव व्या.एल.बी., चंचल ठाकुर सहा. शिक्षक विज्ञान, श्री एम.एल. देवांगन स.शि. विज्ञान, श्रीमती टी.नेहा नायडू, सहा.ग्रे.2, श्री मिलाप सिंह राजपूत सहायक ग्रेड-03, श्री विजेन्द्र चौहान स.ग्रे. 3, श्री उमेश कुमार दिल्लीवार शिक्षक पावर ट्रेड शाला निर्धारित समय तक उपस्थित नहीं हुए थे। जिस पर समस्त कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया हैं। पूर्व माध्यमिक शाला भिलाई-03, मे मध्यान्ह भोजन प्रारंभ था जिस पर मिनू अनुसार छात्र-छात्राओं को मध्यान्ह भोजन का लाभ तथा साफसफाई पर ध्यान देने के निर्देश दिये गये। प्राथमिक शाला जरवाय में निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन निर्धारित मीनू अनुसार प्रदाय करने, बारहखड़ी, पहाड़ा पुस्तक वाचन के नियमित अभ्यास कराने, विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित किये जाने तथा नियत समय पर अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश दिये। शास.उ.मा.वि. जरवाय, के निरीक्षण दौरान हाई/ हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के प्राचार्यों को नियमित प्रायोगिक कार्य करने, ब्लू प्रिंट के अनुरूप 05 वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल कराने, तिमाही, छमाही परीक्षा के आधार पर चिन्हांकित विद्यार्थियों को सीमित पाठ्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कराने एवं प्रायोगिक परीक्षा के बाद भी बोर्ड परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व तक विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति के निर्देश भी दिये। सेजेस पुरैना का आकस्मिक निरीक्षण दौरान कमजोर बच्चों को चिन्हांकित कर विशेष कार्य योजना एवं 05 वर्ष के प्रश्न बैंक का नियमित अध्यापन कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं। शासकीय हाईस्कूल सोमनी के निरीक्षण दौरान पूनम बघेल पाठकांन में हस्ताक्षर करके विद्यालय से अनुपस्थित पाई गई। जिस पर नोटिस जारी किया गया है।

प्राथमिक / माध्यमिक शाला सोमनी के निरीक्षण दौरान कक्षा 08वीं के बच्चों में कक्षा अनुरूप योग्यता का अभाव, हिन्दी/अंग्रेजी में धारा प्रवाह वाचन का अभाव के साथ 08वीं तक के बच्चों को पहाड़ा का ज्ञान नहीं होना पाये जाने पर संबंधित पू.मा.शाला के प्रधानपाठक को नोटिस जारी किया गया है। प्राथमिक / माध्यमिक शाला सिरसाकला के निरीक्षण दौरान पाया गया कि विद्यालय में 11 कमरे मौजूद होने के बावजूद विद्यालय दो शिफ्ट में संचालित किया जा रहा हैं जबकि 03 कमरे बंद पाये गये, अवलोकन उपरांत तीनो कमरों में शाला संचालन योग्य पाया गया है।

केंद्रीय बजट 2026-27 युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने वाला : राहुल असरानी

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। भारतीय जनता युवा मोर्चा दंतेवाड़ा के जिलाध्यक्ष राहुल असरानी ने वित्त वर्ष 2026ङ्क27 के केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट देश के युवाओं, छात्रों और आम नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर सरकार का विशेष फोकस सराहनीय है। राहुल असरानी ने बताया कि बजट में शिक्षा के लिए ?1,39,389 करोड़ तथा स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए ?1,04,599 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो सरकार की जनकल्याणकारी सोच को दर्शाता है। इससे न केवल शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों की सुविधाएँ बेहतर होंगी, बल्कि आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ भी मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों, कॉलेजों और शोध संस्थानों के विकास के लिए किए गए प्रावधान आने वाले समय में देश की बौद्धिक और तकनीकी क्षमता को मजबूत करेंगे। समग्र शिक्षा, पीएम-श्री और पीएम-उषा जैसी योजनाओं के विस्तार से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर ऊँचा होगा। साथ ही, छात्राओं के लिए छात्रावास निर्माण का निर्णय महिला शिक्षा को बढ़ावा देगा।

रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बजट में किए गए प्रयासों की भी राहुल असरानी ने प्रशंसा की। शिक्षा और उद्योग के बीच समन्वय स्थापित करने हेतु प्रस्तावित यूनिवर्सिटी टाउनशिप तथा स्टैंडिंग कमेटी युवाओं को रोजगार के लिए बेहतर रूप से तैयार करेंगी। एनीमेशन, गेमिंग और डिजिटल कंटेंट जैसे नए क्षेत्रों में लैब की स्थापना से युवाओं को आधुनिक अवसर मिलेंगे।

5 को होगा जुनियर चैंबर नेशनल का भव्य शुभारंभ, मुख्य अतिथि रूप में विधायक डॉ संपत अग्रवाल होंगे शामिल : सुमित अग्रवाल

सुमित अग्रवाल ने छ्ष्ट्ठ को बताया युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम,बोले-नेतृत्व कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी से गढ़ा जा रहा है युवाओं का भविष्य

बसना (समय दर्शन)। स्थानीय युवाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें वैश्विक पटल पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से 5 फरवरी को बसना में जूनियर चैंबर इंटरनेशनल की नई इकाई का भव्य शुभारंभ होने जा रहा है। इस गौरवशाली आयोजन को लेकर बसना के ऊर्जावान युवाओं ने एक आवश्यक रणनीतिक बैठक आयोजित की, जिसमें संगठन की रूपरेखा और आगामी लक्ष्यों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए सुमित अग्रवाल ने JCI की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि JCI महज एक संस्था नहीं, बल्कि 18 से 40 वर्ष के युवाओं के लिए एक ऐसा सशक्त माध्यम है जो उन्हें नेतृत्व कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाता है। सुमित अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि आज की गतिशील दुनिया में युवाओं का 'अपडेटेड' रहना अनिवार्य है और JCI उन्हें व्यापार, नवाचार और प्रोफेशनल नेटवर्किंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।

सुमित अग्रवाल ने सामाजिक प्रभाव को रेखांकित करते हुए बताया कि इसके सदस्य स्थानीय स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और गरीबी उन्मूलन जैसी गंभीर समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित भाव से कार्य करते हैं।

आगामी 5 फरवरी को होने वाले इस शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष खुशबू अग्रवाल युवाओं का उत्साहवर्धन करेंगी।

संगठन के उद्देश्यों को साझा करते हुए कामेश बंजारा ने बताया कि JCI युवाओं को एक ऐसा मंच देता है जहां वे विभिन्न संस्कृतियों के साथ जुड़कर आपसी समझ विकसित कर सकते हैं। यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। JCI का मूल मंत्र युवाओं को 'सकारात्मक बदलाव के वाहक' के रूप में तैयार करना है, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में मील का पत्थर साबित हो सकें। इस महत्वपूर्ण बैठक में सुमित अग्रवाल और कामेश बंजारा के साथ आकाश सिन्हा, विकास वाधवा, मोहित पटेल, शीत गुप्ता, नरेंद्र राज, भावेश अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, राकेश डडसेना, बसंत पटेल, निर्मल दास, आनंद मित्तल, हेमंत अग्रवाल, हरजिंदर सिंह, सोनू छाबड़ा, राजेंद्र अग्रवाल, आशीष साहू, त्रिलोचन भोई, सोहन पटेल, संजय टायल और मुकेश दुबे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय युवा उपस्थित रहे। सभी ने एकमत होकर बसना में JCI की नई इकाई के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के प्रदेश पदाधिकारियों का मुंगेली आगमन, भव्य रैली के साथ जोरदार स्वागत

मुंगेली(समय दर्शन)। छत्तीस गढ़िया क्रान्ति सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवेंद्र वर्मा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रकांत यदु (जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी) के मुंगेली आगमन पर जिला इकाई द्वारा भव्य रैली निकालकर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठन के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

रैली की शुरुआत पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम से हुई, जो नया बस स्टैंड होते हुए मंडी के पास स्थित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थल पहुँची। वहाँ छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को फूल-मालाओं से सजाकर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात रैली पुन: प्रारंभ होकर पड़ाव चौक, दाऊपारा चौक से होते हुए विश्राम गृह पहुँची, जहाँ रैली का समापन किया गया।

रैली उपरांत आयोजित बैठक में संगठन के जिला स्तर पर दायित्वों की घोषणा की गई। जिसमें नेमचंद साहू को जिला संयोजक, रोशन साहू को सह-संयोजक, योगेश साहू को जिलाध्यक्ष, रिंकू यादव को जिला उपाध्यक्ष तथा उमेश चंद्राकर को शहर अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष शिवेंद्र वर्मा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रकांत यदु ने संगठन विस्तार पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के मूल उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन जाति-पाति की भावना को समाप्त कर छत्तीसगढ़िया भाई-भाई के सिद्धांत पर एक समरस समाज के निर्माण के लिए कार्य कर रहा है।

वूमेन फॉर ट्री के महिला स्व सहायता समूहों को मानदेय भुगतान किया गया

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत वूमेन फॉर ट्री योजना अंतर्गत 12500 पौधा रोपण कर संधारण एवं रखरखाव करने वाली 125 महिलाओं को तीन माह का मानदेय जारी किया गया है। वूमेन फॉर ट्री योजना अंतर्गत कार्यरत 40 महिला स्व सहायता समूहों को माह अगस्त 2025, सितम्बर 2025 एवं अक्टूबर 2025 का मानदेय राशि रू. 27,23,802.00 का भुगतान एस.एन.ए. स्पर्श के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राज्य शहरी विकास अभिकरण, नवा रायपुर को दिनांक 03.12.2025 को प्रेषित किया गया था। उक्त राशि निगम के खाते में दिनांक 02.02.2026 को प्राप्त होने के उपरांत तत्काल निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा सभी 40 महिला स्व सहायता समूहों को मानदेय भुगतान किया गया है। शेष 2 माह नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 का मानदेय भुगतान हेतु शासन को लगभग 1 माह पूर्व देयक प्रेषित किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी पाटन का संभाग स्तरीय रजत जयंती महोत्सव संपन्न

25 साल में हुई विकास की गाथा बताई

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी पाटन द्वारा संभाग स्तरीय रजत जयंती महोत्सव का आयोजन स्वामी आत्मानंद ऑडिटोरियम, पाटन में भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं उपभोक्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक थी। जिला पंचायत दुर्ग के सभापति नीलम चंद्राकर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

विशेष अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक एवं राजेश चंद्राकर , जनपद सदस्य कुसुम लता आदिल उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत के बाद कार्यपालन अभियंता बी. पी. दीपक ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बिजली विभाग के जानकारी विस्तार से दी। इसके अलावा उन्होंने पीएम सूर्य घर के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। आभार व्यक्त कनिष्ठ अभियंता राजेश साहू ने किया। इस अवसर पर जामगांव टी, अमलेश्वर, रानीतराई एवं पाटन विद्युत वितरण केंद्र के बड़ी संख्या में उपभोक्ता कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान बिजली बचत एवं अक्षय ऊर्जा के महत्व पर जानकारी दी गई और लोगों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

रजत जयंती महोत्सव के तहत बच्चों के लिए स्वास्थ्य एवं ऊर्जा विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें बिजली एवं ऊर्जा से संबंधित प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस प्रतियोगिता में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रश्नोत्तरी का संचालन कनिष्ठ अभियंता स्वाती गौतम ने की। श्रेष्ठ उपभोक्ताओं सहित बिजली विभाग से गत वर्ष में हुए सेवा निवृत कर्मचारियों एक सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप कार्यपालन अभियंता बी. पी. दीपक, सहायक अभियंता कमलेश साहू, धर्मेंद्र देवांगन, उग्र सेन डहरिया, कनिष्ठ अभियंता राजेश साहू, स्वाति गौतम, लोचन सिंह ध्रुव, कुणाल भाले, श्रीकांत देवांगन, लक्ष्मी देवांगन सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं उपभोक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्युत विभाग की 25 वर्षों की उपलब्धियों को साझा करना एवं उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

समग्र शिक्षा एवं पीएमश्री अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा हेतु निर्माण एजेंसियों की बैठक संपन्न

पूर्ण, प्रगतिरत एवं अप्रारंभ कार्यों की प्रगति पर हुई विस्तृत चर्चा

बेमेतरा(समय दर्शन)। कार्यालय जिला पंचायत बेमेतरा के सभाकक्ष में आज समग्र शिक्षा अभियान एवं पीएमश्री योजना के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु निर्माण एजेंसियों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी श्री गेंदराम चतुर्वेदी एवं जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा, श्री राजकुमार वर्मा द्वारा की गई।

बैठक में समग्र शिक्षा के अंतर्गत जिले में स्वीकृत विभिन्न शैक्षणिक भवन, अतिरिक्त कक्ष, मरम्मत एवं अन्य अधोसंरचना संबंधी निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। इसमें पूर्ण हो चुके कार्यों, वर्तमान में प्रगतिरत कार्यों एवं अब तक अप्रारंभ निर्माण कार्यों की पृथक-पृथक जानकारी ली गई तथा कार्यों में आ रही बाधाओं पर चर्चा की गई।

जिला शिक्षा अधिकारी ने निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। पीएमश्री विद्यालयों के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र प्रारंभ कर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा श्री राजकुमार वर्मा ने कहा कि विद्यालयीन अधोसंरचना सुदृढ़ होने से शैक्षणिक वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन आएगा, अत: निर्माण एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने एमआईएस पोर्टल में कार्यों की प्रगति नियमित रूप से अद्यतन करने एवं आवश्यक दस्तावेज समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक में कार्यों की निगरानी, गुणवत्ता नियंत्रण, भुगतान प्रक्रिया एवं समन्वय से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। साथ ही यह सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि सभी निर्माण कार्य शासन के दिशा-निर्देशों एवं तकनीकी मापदंडों के अनुरूप हों।

इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता आर.ई.एस. बेमेतरा श्री महाजन बाँधडे, एमआईएस प्रशासक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बेमेतरा श्री खिरामन वर्मा, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक बेरला श्री कमलेश कुमार निषाद, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक साजा श्री खोमलाल साहू, प्रभारी विकासखंड स्त्रोत समन्वयक नवागढ़ श्रीमती सरिता सतनामी तथा लेखापाल श्री जगदम्बा प्रताप सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

जागरूक घरेलू उपभोक्ता में सुरेश साहू का सम्मान

बसना(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड संभाग सरायपाली वितरण केंद्र संभागीय कार्यालय द्वारा झिलमिला सरायपाली में छत्तीसगढ़ राज्य रजत महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया । कार्यक्रम में विद्युत वितरण केंद्र के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियां के उत्कृष्ट उपभोक्ताओं को उनकी सजगता और सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पांच प्रमुख श्रेणियां में जैसे बीपीएल कनेक्शन के मानक अनुरूप खपत वाले उपभोक्ताओं,विगत दो वर्षों से नियमित भुगतान करने वाले घरेलू ,गैर घरेलू (व्यावसायिक) उपभोक्ताओं, कृषक जीवन ज्योति योजना, पीएम सूर्य घर योजना के लाभार्थियों के प्रथम पांच पांच को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष मोंगरा पटेल, जिला पंचायत सदस्य भास्कर, सीएमओ हेमंत प्रधान, पार्षद सविता जायसवाल,जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रकाश पटेल,मुख्य कार्य पालन अभियंता टी के पटेल,एवं लाइनमैन, सहायक लाइनमैन, अधिकारी कर्मचारी,जनप्रतिनिधि, व्यापारी,उपभोक्ता व आम नागरिक शामिल रहे।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में वजन त्यौहार के आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में 09 से 18 फरवरी तक आयोजित होने वाले वजन त्यौहार की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को अपने-अपने अनुभाग अंतर्गत परियोजनाओं को जोन एवं क्लस्टर में विभाजित कर जोनल अधिकारी नियुक्त करें तथा क्लस्टरवार वजन की तिथि निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को वजन त्यौहार के आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि जिले में 09 फरवरी से 18 फरवरी 2026 तक 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का वजन किया जाएगा। इसके लिए विकासखंड स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के मार्गदर्शन में परियोजना अधिकारियों द्वारा माइक्रो प्लान तैयार किया जा रहा है। प्रतिदिन 3 से 5 आंगनबाड़ी केंद्रों में वजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ग्राम के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही किशोरी बालिकाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण भी किया जाएगा, जिसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त कार्ययोजना बनाई गई है। वजन त्यौहार के प्रचार-प्रसार हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा दीवार लेखन भी करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्री स्निग्धा तिवारी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री तोखन साहू से महापौर अलका बाघमार ने की दिल्ली में सौजन्य भेंट

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने आज दिल्ली में अपने एमआईसी सदस्यो देवनारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, शेखर चंद्राकर, शशि साहू एवं पार्षद अजित वैद्य के साथ केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास विभाग के राज्य मंत्री तोखन साहू से सौजन्य भेंट की।

इस अवसर पर दुर्ग शहर के समग्र विकास, अधोसंरचना विस्तार, नगरीय सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आत्मीय एवं सार्थक चर्चा हुई।

चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू ने दुर्ग नगर निगम के लिए केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को राज्य सरकार की सहमति से अतिशीघ्र कार्ययोजना बनाकर लागू करने हेतु सहमति प्रदान की तथा शीघ्र सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से दुर्ग शहर के विकास को नई गति और दिशा मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर नगरीय सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26